बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 104 | शनिवार 5 अगस्त 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

मणिपुर में नहीं थम रही हिंसा, पुलिस शस्त्रागार में तोड़-फोड़; कई घातक हथियार लूटकर फरार हुए उग्रवादी

इंफाल। हाल ही में एक बार फिर बहुसंख्यक समुदाय ने पुलिस शस्त्रागार में तोड़-फोड़ की और हथियार चुरा कर भाग गए। एक अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक, लूटे गए हथियारों में एके असॉल्ट राइफलें और विभिन्न कैलिबर की 19,000 से अधिक गोलियां शामिल थीं। यह घटना बिष्णुपुर जिले के नारानसैना स्थित द्वितीय इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के बटालियन मुख्यालय में हुई। अधिकारियों ने बताया कि चुराचांदपुर की ओर मार्च करने के लिए एक भीड़ वहां जमा हुई थी, जहां आदिवासी तीन मई को राज्य में हुई जातीय झड़पों में मारे गए अपने लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की योजना बना रहे थे।

सामूहिक दफन को लेकर पैदा हुआ तनाव

अधिकारियों ने कहा, विभिन्न कैलिबर की 19,000 से अधिक राउंड गोलियां, एक एके सीरीज असॉल्ट राइफल, तीन घातक राइफलें, 195 सेल्फ-लोडिंग राइफल, पांच एमपी-5 बंदूकें, 16 9 मिमी पिस्तौल, 25 बुलेटप्रूफ जैकेट, 21 कार्बाइन, 124 हैंड ग्रेनेड समेत अन्य कई चीजें भीड़ ने लूट लिया। आदिवासियों द्वारा सामूहिक दफन कार्यक्रम से संघर्षग्रस्त राज्य में एक बार फिर तनाव पैदा हो गया था और बहुसंख्यक समुदाय इस **कदम का विरोध कर रहा था।**

अन्य शस्त्रागार लूटने का प्रयास विफल

दफन स्थल की ओर जाने वाले जुलूस को रोकने के लिए गुरुवार को बिष्णुपुर जिले के कांगवई और फौगाकचाओ इलाकों में आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें लगभग 25 लोग घायल हो गए। बहुसंख्यक समुदाय ने राज्य की राजधानी में स्थित दो अन्य शस्त्रागारों को भी लूटने का प्रयास किया था, लेकिन उनके प्रयास विफल कर दिए गए। मणिपुर उच्च न्यायालय ने गुरुवार सुबह हुई एक असाधारण सुनवाई में प्रस्तावित सामूहिक दफन पर रोक लगा दी थी, हालांकि कुकी समुदाय ने दावा किया था कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ चर्चा के बाद कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। अनुसूचित जनजाति के लिए मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद 3 मई को मणिपुर में जातीय झड़प होने के बाद से 160 से अधिक लोगों की जान चली गई और कई सौ लोग घायल हो गए।

शिवसेना टूटी, एनसीपी बिखरी, अब क्या शेष ? फिर भी क्यों मुख्य विपक्षी दल नहीं बन सकी कांग्रेस

रिपोर्ट के अनुसार, नार्वेकर ने प्रतिनिधिमंडल को बताया है कि आधिकारिक रूप से उनके पास एनसीपी में टूट की कोई जानकारी नहीं है। रिकॉर्ड के अनुसार, एनसीपी में अब भी 54 विधायक हैं। फिलहाल, स्पीकर ने एनसीपी के कानूनी दर्जे की जानकारी हासिल करने और नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के लिए समय की मांग की है।

मुंबई। महाविकास अघाड़ी यानी MVA, जिसमें प्रमुख दलों के तौर पर शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस और कांग्रेस का नाम शामिल है। अब पहले उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना 2022 में टूटी, इसके बाद वरिष्ठ नेता शरद पवार की कप्तानी वाली एनसीपी का 2023 भी यही हश्र हुआ। नतीजा यह हुआ कि विधायकों के मामले में तीसरे नंबर पर खड़ी कांग्रेस अब पहले स्थान पर आ गई है, लेकिन अब तक पार्टी मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल नहीं कर सकी है।

ताजा घटनाक्रम

मंगलवार को ही महाराष्ट्र कांग्रेस का एक दल विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से मिला था। इसमें पार्टी नेता बालासाहब थोराट, पूर्व सीएम अशोक चव्हाण, मुंबई कांग्रेस प्रमुख वर्षा गायकवाड़ शामिल थीं। ये नेता विधायक विजय वडेट्टिवार को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग कर रहे थे। एक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उनका कहना है कि 45 विधायकों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ा विपक्षी दल है। अजित पवार को सरकार में शामिल होने के बाद से ही पद खाली पड़ा है।

क्या मिला जवाब

रिपोर्ट के अनुसार, नार्वेकर ने प्रतिनिधिमंडल को बताया है कि आधिकारिक रूप से उनके पास एनसीपी में टूट की कोई जानकारी नहीं है। रिकॉर्ड के अनुसार, एनसीपी में अब भी 54 विधायक हैं। फिलहाल, स्पीकर ने एनसीपी के कानूनी दर्जे की जानकारी हासिल करने और नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के लिए समय की मांग की है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि नार्वेकर ने कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पत्र देने से पहले एडवोकेट जनरल और अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत का फैसला किया है।

क्या बोली कांग्रेस

कांग्रेस नेता ने कहा, 'हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि एक पार्टी एनसीपी एक ही समय में सत्ता और विपक्ष में कैसे हो सकता है। स्पीकर को संवैधानिक प्रावधानों के तहत काम करना होगा।' कांग्रेस नेता थोराट का कहना है कि उन्हें पहले ही एनसीपी से यह ईमेल मिल चुका है कि उन्हें वडेट्टिवार को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने में कोई आपत्ति नहीं है।

उन्होंने कहा, अजित पवार की अगुवाई वाला गुट पहले ही सरकार में है। जबकि, शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट ने हमें पत्र दिया है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें कांग्रेस विधायक के नेता प्रतिपक्ष बनने में कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद स्पीकर को क्या आपत्ति हो सकती है? हम उम्मीद करते हैं कि स्पीकर बगैर किसी पूर्वाग्रह के काम करेंगे और न्याय होगा।

महाराष्ट्र कांग्रेस का एक दल विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से मिला था। इसमें पार्टी नेता बालासाहब थोराट, पूर्व सीएम अशोक चव्हाण, मुंबई कांग्रेस प्रमुख वर्षा गायकवाड़ शामिल थीं। ये नेता विधायक विजय वडेट्टिवार को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग कर रहे थे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उनका कहना है कि 45 विधायकों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ा विपक्षी दल है।

ज्ञानवापी में वुजूखाना को छोड़कर समूचे परिसर में एएसआई का सर्वे शुरू

वाराणसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद ज्ञानवापी परिसर में शुक्रवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग का सर्वे शुरू हो गया। एएसआई की टीम आधुनिक उपकरणों के साथ सर्वे कर रही है। पूरे परिसर का नक्शा शीट पर उतारा गया है।

हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी के अनुसार सर्वेक्षण शुरू हो चुका है। प्रतिवादी पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद समिति के लोग उपस्थित नहीं है। अंजुमन इंतजामिया के अधिवक्ताओं का कहना है- हमने सुप्रीम कोर्ट में सर्वे आदेश के खिलाफ अपील की थी। उसकी आज सुनवाई होनी है। इसकी जानकारी बनारस के अधिकारियों को दी गई है। हमारा अनुरोध था कि शीर्ष अदालत के आदेश तक सर्वे को रोका जाए। उल्लेखनीय है कि जिला जज की अदालत के आदेश पर 24 जुलाई को एएसआई ने सील वुजूखाना को छोड़कर सम्पूर्ण ज्ञानवापी परिसर में सर्वे शुरू किया था। इसी बीच मुस्लिम पक्ष की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाते हुए हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया था। लगभग पांच घंटे सर्वे चलने के बाद रुक गया था। हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद गुरुवार की सुबह जिला जज की अदालत के एएसआई सर्वे को जारी रखने का आदेश दिया । सर्वे के दौरान ज्ञानवापी परिसर में एएसआई की 20 सदस्यीय टीम के अलावा हिंदू पक्ष की चार वादिनी महिला, उनके चार अधिवक्ता मौजूद हैं। इसके अलावा जिला शासकीय

अधिवक्ता, राज्य सरकार और केंद्र सरकार के अधिवक्ता, एडीएम सिटी और एक अपर पुलिस आयुक्त मौजूद हैं। सर्वे में खुदाई नहीं होगी। ग्राउंड पेनिट्रेटिंग राडार (जीपीआर) तकनीक का इस्तेमाल टीम करेगी। इसमें रेडियो वेव की फ्रीक्वेंसी के जरिये पता चल जाता है कि जमीन या दीवार के अंदर क्या है। इसके अलावा कार्बन डेटिंग पद्धति से भी साक्ष्यों की जांच होगी। दीवारों, नींव, मिट्टी में रंग परिवर्तन की भी टीम जांच करेगी।

केदारनाथ में आसमान से बरसी आफत, भारी बारिश के बाद 10-12 लोग लापता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा के मुख्य पड़ाव पर गौरीकुंड में भीषण बारिश की वजह से आए भूस्खलन ने तबाही मचाई। पहाड़ का मलबा गिरने से कई दुकानें बह गईं। जिसमें 10-12 लोगों के बहने या दबने की आशंका है। इन्हें एसडीआरएफ तलाशने की कोशिश कर रही है। रुद्रप्रयाग आपदा प्रबंधन अधिकारी के मुताबिक, भूस्खलन में 10 से 12 लोगों के दबने/बहने की आशंका है। घटना गौरीकुंड डाट पुलिया के समीप बीती रात 1:30 बजे घटित हुई। देर रात भूस्खलन की वजह से दो दुकानें और एक खोखा बहने की सूचना मिली है। सेक्टर अधिकारी गौरीकुंड, एनडीआरफ, एसडीआरएफ मौके पर हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारी और डीडीआरएफ टीम मुख्यालय उपकरण सहित घटनास्थल के लिए

रवाना हो गई है। भारी बारिश एवं ऊपर से बोल्डर गिरने के कारण सर्च एवं रेस्क्यू कार्य को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है तथा सभी टीमें मौके पर मौजूद हैं। एसपी रुद्रप्रयाग डॉ विशाखा ने कहा, लापता लोगों की तलाश के लिए ऑपरेशन जारी है। वहीं आपदा प्रबंधन अधिकारी दलीप सिंह राजवार ने एएनआई को बताया, हमें जानकारी मिली कि चट्टानें गिरने और भारी बारिश के कारण 3 दुकानें प्रभावित हुईं। तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया गया। ऐसा कहा गया था कि लगभग 10-12 लोग वहां मौजूद थे, लेकिन अब तक उनका पता नहीं चल पाया है। गौरीकुंड, जिसका नाम देवी पार्वती के नाम पर रखा गया है, एक तीर्थ स्थल है और केदारनाथ मंदिर की यात्रा के बेस कैंप के रूप में काम करता है। भारी बारिश की वजह से मंदाकिनी नदी उफान पर है। इसकी वजह से डाक पुलिस के सामने भूस्खलन हुआ। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त लोग दुकानों में सो रहे थे। रिपोर्ट के अुसार, लापता लोगों में नेपाली और स्थानीय निवासी शामिल हैं। आपदा दल ने देर रात ही रेक्स्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया था। हालांकि बारिश के कारण इसमें दिक्कत आ रही है। मौसम विभाग ने आज दिनभर रुद्रप्रयाग में भारी बारिश की संभावना जताई है।

केंद्र ने चार गांवों, एक रेलवे स्टेशन का नाम बदलने को दी मंजूरी

उत्तर प्रदेश से भी एक शामिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ओडिशा में एक रेलवे स्टेशन और राजस्थान के तीन गांवों सहित चार गांवों के नाम बदलने को अपनी मंजूरी दे दी। इसमें एक गांव उत्तर प्रदेश से भी है।

इन जगहों का बदला नाम-राजस्थान के उदयपुर जिले की कनोड तहसील में स्थित खिमवातों का खेड़ा का नाम बदलकर खिमसिंहजी का खेड़ा, जोधपुर जिले की फलोदी तहसील में बेंगती कला का नाम बदलकर बेंगती हरबुजी और जालौर जिले की सायला तहसील में भुंडवा का नाम बदलकर भांडवपुरा करने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र दिया जा चुका है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में स्थित अमानुल्लापुर का नाम बदलकर जमुनानगर करने के लिए भी अनापत्ति प्रमाणपत्र दिया गया है।

गृह मंत्रालय ने दिया मंजूरी

गृह मंत्रालय ने ओडिशा के खोरधा मंडल में

हरिदासपुर-पारादीप में रत्नागिरी रोड रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर उदयगिरी-रत्नागिरी रोड रेलवे स्टेशन करने की भी मंजूरी दी है। गृह मंत्रालय रेल मंत्रालय, डाक विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग से अनापत्ति लेने के बाद किसी स्थान या स्टेशन का नाम बदलने की मंजूरी देता है।

दिल्ली-एनसीआर में बदली मौसम की फिजा, ठंडी हवाओं संग रुक-रुक कर हो रही बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के मौसम ने आज एक बार फिर करवट ली है। उमस भरी गर्मी से बेहाल लोगों की आंख आज ठंडी हवाओं और रिमझिम फुहारों के बीच खुली। दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई और मौसम विभाग ने दिन में बाद बादल छाए रहने और अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के कई स्थानों और आसपास के इलाकों में 40 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कई स्थानों पर भी इसी तरह की मौसम स्थिति बने रहने की संभावना है। दिल्लीवासियों के लिए गुरुवार का दिन गर्म और उमस भरा रहा। हालांकि, वीकेंड में मामूली राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, अगले पांच

से छह दिनों में रुक-रुककर बारिश होने की भविष्यवाणी की है और वीकेंड पर झमाझम बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में हुई अच्छी बारिश ने दिल्ली की वायु गुणवत्ता को पिछले पांच वर्षों के मुकाबले बेहतर बना दिया। दिल्ली में जुलाई में सामान्य वर्षा 195.8 मिलीमीटर (मिमी) के मुकाबले 384.6 मिमी दर्ज की गई, जो पिछले 15 वर्षों में एक महीने में हुई दूसरी सबसे अधिक बारिश है। जुलाई में औसत अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 2016 के

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के कई स्थानों और आसपास के इलाकों में 40 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

34.5 डिग्री सेल्सियस के बाद सबसे कम है।

दिल्ली में गुरुवार को रहा उमस भरा दिन -दिल्ली के प्रमुख मौसम पूर्वानुमान केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया, जो कि इस मौसम के सामान्य से दो डिग्री कम है। वहीं, अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जेवर एयरपोर्ट से परी चौक तक चलेगी पॉड टैक्सी! डीपीआर तैयार, ऐसे होगा विस्तार

ग्रेटर नोएडा। जेवर एयरपोर्ट से ग्रेटर नोएडा में परी चौक तक पॉड टैक्सी चलाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। शासनस्तर पर इस पर चर्चा हुई है। हालांकि अभी केवल जेवर एयरपोर्ट से फिल्म सिटी के बीच पॉड टैक्सी चलाने के लिए विकासकर्ता कंपनी के चयन की प्रक्रिया चल रही है। यीडा ने पॉड टैक्सी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्र सरकार की कंपनी इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कारपोरेशन लिमिटेड से बनवाई है। शासन की बिड इवैल्युवेशन कमेटी की मुहर के बाद प्राधिकरण ने विकासकर्ता कंपनी की तलाश शुरू कर दी है। यीडा ने पहली जुलाई को ग्लोबल टेंडर निकाल दिए हैं। प्राधिकरण ने डिजाइन, बनाना, वित्त, संचालन और ट्रांसफर (डीबीएफओटी) नीति के तहत पैसेंजर पर्सनल रैपिड ट्रांजिट (पीआरटी) या पॉड टैक्सी परियोजना को धरातल पर उतारेगी। इसके लिए 10 अगस्त तक टेंडर जमा किए जा सकते हैं। 16 अगस्त को इसकी तकनीकी निविदा खोली जाएगी। तकनीकी और आर्थिक आधार पर कंपनी का चयन किया जाएगा।

जमीन की दिक्कत नहीं-परियोजना के लिए यमुना प्राधिकरण के पास पहले से जमीन मौजूद है। पॉड टैक्सी 60 और 75 मीटर चौड़ी

रोड के किनारे-किनारे चलेगी। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इसमें विकासर्ता कंपनी को 35 साल का लाइसेंस दिया जाएगा। सीईओ यमुना प्राधिकरण डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा, एयरपोर्ट से फिल्म सिटी तक पॉड टैक्सी परियोजना के लिए विकासकर्ता कंपनी के चयन की प्रक्रिया चल रही है। इसके विस्तार पर भी वार्ता हुई है। इसे परी चौक तक ले जाने की तैयारी है।

100 एकड़ में एम्यूजमेंट पार्क पहले से प्रस्तावित

यीडा पॉड टैक्सी को पर्यटन से भी जोड़ने की तैयारी में है। फिल्म सिटी में 100 एकड़ में एम्यूजमेंट पार्क पहले से प्रस्तावित है। अगर एयरपोर्ट पर कोई यात्री आता है तो और उसके पास समय है। तो वह पॉड टैक्सी से इस पार्क तक आ सकता है। जब यह परी चौक तक आएगी तो एडवेंचर और बढ़ जाएगा।

ऐसे विस्तार होगा-पॉड टैक्सी के विस्तार की योजना बननी शुरू हो गई है। फिल्म सिटी से ग्रेनो के परी चौक तक पॉड टैक्सी चलाने पर विचार हो रहा है। शासन स्तर पर इसको लेकर वार्ता हुई है। यीडा के अधिकारी भी आश्वस्त हैं। विकासकर्ता का चयन होने के बाद इसके विस्तार पर काम शुरू किया जाएगा।

आचार की मजबूरी और विचार की लाचारी

गिरीश्वर मिश्र

मणिपुर की घटनाओं को लेकर संसद का हरकत में आना स्वाभाविक है। अब पक्ष और प्रतिपक्ष नियमों और कायदे कानूनों का सहारा लेकर अपनी-अपनी बढ़त सुनिश्चित करने की कोशिश में लगा हुआ है। चूँकि हंगामा और कार्यवाही में गतिरोध पैदा करना संसद का स्थायी स्वर होता जा रहा है इस बार भी सार्थक चर्चा कम और हंगामा अधिक हो रहा है। इस पूरी मुहिम में तीव्र नाटकीयता का उपयोग तो है ही अभद्र भाषा के उपयोग से भी अब किसी को गुरेज नहीं दिख रहा। आए दिन संसद के कार्य की हानि के साथ जनता की गाढ़ी कमाई का करोड़ों रुपया इस पंचायती उपद्रव की भेंट चढ़ रहा है। इन सबसे लगता यही है कि आर्थिक विकास और भौतिक सुख-सुविधा की बढ़त के साथ रिश्तों में सहिष्णुता, पारदर्शिता और भरोसा की जो परिपक्वता आनी चाहिए वह नहीं आ पा रही है। हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक पूँजी चूकती नजर आ रही है और हमारा मूल्यबोध धुंधला पड़ रहा है।

आजकल निजी पारिवारिक जीवन और सार्वजनिक सामाजिक जीवन के तेजी से बदलते परिवेश में जिस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है वे भयावह हैं और निःसंदेह मनुष्य होने के मूल भाव को ही तिरस्कृत तथा अपमानित करने वाले जैसे लग रहे हैं। पिछले दिनों प्यार करना, लिव इन में रहना और फिर उसी प्रियजन की बर्बर हत्या की घटनाएं देश के कई कोनों से आईं। ऐसे ही पत्नी द्वारा प्रेमी की सहायता से पति की जान लेने जैसी भयानक वारदात की खबरें भी आती रही हैं। दुष्कर्म में व्यक्ति और समूह के स्तर पर लिप्त होने की भी घटनाएँ बढ़ रही हैं। ये सभी अंधे-अधूरे स्वार्थ के लिए रिश्तों की गहराती टूटन और आपसी भरोसे को कलंकित करने वाली घटनाएँ हैं। चिंता की बात यह है इस तरह की घटनाएँ थमने का नाम नहीं ले रही हैं। वे बार-बार और जगह-जगह हो रही हैं। इन सबके बीच आज हमारा सामाजिक ताना-बाना असहज होता जा रहा है और उसमें गाँठें पड़ रही हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति देश के सार्वजनिक जीवन में भी घटित होती दिख रही है। देश के अनेक क्षेत्रों में ऐसी घटनाएँ हो रही हैं जो दिल दहला देने वाली हैं।

ज्यादा दिन नहीं हुए पश्चिम बंगाल से विभिन्न मौकों पर आहटें आ रही थीं कि किस तरह तात्कालिक राजनैतिक हित की खातिर द्वेष की आग में लोग झुलस रहे थे। ऐसे ही जंगलराज की ओर वापसी की खबरें बिहार से भी आ रही थीं। छत्तीसगढ़ में भी इस तरह की घटनाएँ हो रही थीं। प्रकट राजनैतिक हित के आगे सामाजिक सद्भाव, आपसी समझदारी और भरोसा बनाए रखने की जरूरत को भरसक नजर अन्दाज किया जाता रहा है। पूर्वोत्तर भारत के कला-संस्कृति से सम्पन्न ह्यमणिपुरह्ण में हुई ताजी हिंसा और दुराचार की अमानवीय घटनाओं की जो जानकारी सामने आ रही है वह समाज और सरकार दोनों में गहरे पैठी जड़ता, अविश्वास और घोर निष्क्रियता को उजागर कर रही है। इस घटना की जितनी भी निंदा और भर्त्सना की जाए वह कम होगी । इन जटिल परिस्थितियों के बीच मणिपुर की कानून व्यवस्था चरमरा गई और आम जनों में भय और दहशत की स्थिति व्याप्त होती गई।

गौरतलब है कि मैतेयी और कुकी दोनों समुदायों की अस्मिता (या पहचान) और उससे जुड़े हितों को न समझना और उपेक्षा करना खतरनाक साबित हुआ। नए ज्ञान-विज्ञान, उद्योग, बाजार और तकनीक से लैस करती आधुनिकता की सबसे बड़ी सौगात अकेली अपनी अस्मिता का आविष्कार करना है। इसके असर में मनुष्य अब अधिकाधिक अस्मिताजीवी होता जा रहा है और एक जैसी अस्मिताएँ यदि आपस में जोड़ती हैं तो दूसरे समुदायों या ह्यगैरह्ण से तोड़ती भी हैं। हम अपने समुदाय को श्रेष्ठ और

दूसरे को खराब साबित करने में जुट जाते हैं। इस दौड़ के अगले पड़ाव में दोनों अस्मिताओं वाले लोग एक दूसरे के दुश्मन होने लगते हैं। वे उन बड़ी (और शायद पुरानी पड़ती) अस्मिताओं जैसे- मनुष्य होना या भारतीय होना को भूलने लगते हैं। बड़ी अस्मिताओं के साथ जुड़ना और अपने को पहचानना साझेदारी पर टिकी होती हैं और उनमें परस्पर निर्भरता और पूरकता का रिश्ता होता है। ऐसे में सहयोग तथा संवाद का जरिया बन जाता है पर अलग और खास होती अस्मिताएँ तकरार का कारण बनती हैं।

मणिपुर की स्थिति निश्चय ही जटिल है और उसके कई कारण हैं। अस्मिताओं और उनसे जुड़ी आकांक्षाओं और प्रेरणाओं के साथ बगल के देश म्यांमार के साथ अंतरराष्ट्रीय आवागमन की व्यवस्था के (कु)प्रबंधन और नशीले पदार्थों की तस्करी की पृष्ठभूमि भी एक कारण है जो इस स्थिति को पैदा करने में सहायक हुई है । समय रहते इन सभी पक्षों पर ध्यान न देने की नीति की परिणति अच्छी नहीं हुई और जो कुछ घटित हुआ वह सबको शर्मसार करने वाला हो रहा है। इसलिए मणिपुर की समस्या को वहाँ के भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ में समझना होगा। साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का राजनैतिक संदर्भ में भी देखना जरूरी होगा । हमें उस उभरते माहौल को नजर अन्दाज नहीं कर सकते जो विभिन्न प्रदेशों में दिख रहा है जिसमें संवाद की जगह हिंसा को तरजीह मिल रही है। यह दुर्भाग्य है कि अब हिंसा का राजनैतिक इस्तेमाल नैतिकता की हदें पार करता जा रहा है। मोटी खाल ओढ़े इसके प्रति बेहद उदासीन बने राजनेता उसका फायदा उठाने से कभी भी नहीं चूकते।

पिछले महीनों में मैतेयी और कुकी जनजातियों के बीच मणिपुर में आरक्षण के मुद्दे से जो मनमुटाव शुरू हुआ वह हत्या, बलात्कार, दरिंदगी, आगजनी, बमबाजी, दंगा-फसाद और हिंसा की होने वाली जघन्य वारदातों की श्रृखला में परिणत होता गया। प्रदेश की सरकार इस पूरे मामले को सँभालने और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में नाकामयाब रही। इस मामले को लेकर हर किसी को गम्भीर चर्चा और कार्रवाई की दरकार है। मणिपुर के इस मामले की गूंज संसद में कैसे गूंजे और उस गूंज का श्रेय कैसे लिया जाय अब यह मुख्य राजनैतिक प्रश्न बन गया है। देश और समाज की किस्मत ऐसी कि प्रभावित लोगों के दुःख-दर्द, पीड़ा और मुश्किलों को कैसे कम किया जाय, सामान्य जनजीवन कैसे बहाल हो और लोग इधर-उधर शिविरों को छोड़ अपने-अपने घरों को वापस जाएँ ये सारे प्रश्न गौण हो चले हैं।

राजनीति के रणनीतिकारों के आकलन के अपने आधार होते हैं जिनका सरोकार अगले चुनाव के लिए सिर्फ वोट बटोरने तक से सीमित होता है। इस बातूनी देश में बतकही की बड़ी पुरानी प्रथा है। लोग बात करने से कभी नहीं थकते। बतरस सभी रसों से ऊपर होता है और सभी इसका आस्वादन करते नहीं अघाते। मीडिया के तीव्र प्रसार के साथ बतियाने का स्वभाव और दायरा और ज्यादा बढ़ गया है। संसद में बतंगड़ी बात-वीरों की छवि निराली है। वे चिल्ला-चिल्ला कर बात करने की धूम मचाते रहते हैं। उनके शोर-शराबे में सिवाय बात करने के वे सबकुछ कर रहे होते हैं। इस माहौल में भारतीय संसद का मौजूदा मानसून सत्र हंगामे के बीच चल रहा है। इसका पूरे एक सप्ताह का कीमती समय देश के माननीयों द्वारा बात करने की बात पर असंयत ढंग से बात करते हुए बिताया गया । गौरतलब है कि बात की गम्भीरताओं को पक्ष तथा विपक्ष दोनों के द्वारा स्वीकार की गयी । ऐसा किए जाने पर भी बात करने पर बात नहीं हो सकी । बातचीत से बात बनती नहीं दिख रही और बेबात की बात करने में अपनी चतुराई दिखाने में हम लोग आगे चल रहे हैं । इसलिए बात को और बात पर बात करने के काम को हम सब बड़ी गम्भीरता से लेते हैं, चाहे काम की बात हो या न हो । यह याद करने लायक बात है कि बात करने के लिए विपक्ष द्वारा जितना समय माँगा जा रहा था उससे काफी ज्यादा समय बिना बात किए बिताया जा चुका है।

मणिपुर की घटनाओं को लेकर संसद का हरकत में आना स्वाभाविक है। अब पक्ष और प्रतिपक्ष नियमों और कायदे कानूनों का सहारा लेकर अपनी-अपनी बढ़त सुनिश्चित करने की कोशिश में लगा हुआ है। चूँकि हंगामा और कार्यवाही में गतिरोध पैदा करना संसद का स्थायी स्वर होता जा रहा है इस बार भी सार्थक चर्चा कम और हंगामा अधिक हो रहा है। इस पूरी मुहिम में तीव्र नाटकीयता का उपयोग तो है ही अभद्र भाषा के उपयोग से भी अब किसी को गुरेज नहीं दिख रहा। आए दिन संसद के कार्य की हानि के साथ जनता की गाढ़ी कमाई का करोड़ों रुपया इस पंचायती उपद्रव की भेंट चढ़ रहा है। इन सबसे लगता यही है कि आर्थिक विकास और भौतिक सुख-सुविधा की बढ़त के साथ रिश्तों में सहिष्णुता, पारदर्शिता और भरोसा की जो परिपक्वता आनी चाहिए वह नहीं आ पा रही है। हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक पूँजी चूकती नजर आ रही है और हमारा मूल्यबोध धुंधला पड़ रहा है।

देश ने अमृतकाल में आगे बढ़ने का बड़ा संकल्प लिया है। आर्थिक मोर्चे पर एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने को तैयार हो रहा है। ऐसे में व्यक्तिगत और सामाजिक विकास की आंतरिक चुनौती हमें आचार और विचार दोनों ही दृष्टियों से आत्मावलोकन के लिए आवाज दे रही है। मनुष्यता, सामाजिकता और स्वतंत्रता के मूल्य हमसे कुछ दायित्वों की भी अपेक्षा करते हैं जिनके अभाव में हम आगे कदम नहीं बढ़ा सकते। विचारों की लाचारी और आचार की मजबूरी के बीच हमें रास्ता ढूँढ़ना होगा।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

संपादकीय

नफरती भाषण पर सुप्रीम सख्ती

साम्प्रदायिक या सामुदायिक हिंसा-प्रतिहिंसा मामलों में अब सर्वोच्च अदालत को बताना पड़.रहा है कि सरकारें उन्हें रोकने के लिए कौन से कदम उठाएं। मणिपुर में नृशंस सामुदायिक हिंसा के दौरान ध्वस्त हुई विधि-व्यवस्था पर कड़ी टिप्पणी के बाद हरियाणा के मेवात क्षेत्र का नूंह दूसरा ऐसा भयावह मामला है, जब सर्वोच्च अदालत को सामने आना पड़ा है। उसने प्रदेश सरकार से सख्त लहजे में कहा कि वह एक दूसरे समुदाय के विरुद्ध घृणा फैलाने वाले भाषणों पर रोक लगाए जिससे कि हिंसा को और फैलने से बचाया जा सके। इस बात के सुबूत मिल रहे हैं कि तीन वर्षों से आयोजित हो रहे बृजमंड़ल जलाभिषेक यात्रा के इस बार प्रारंभ होने के पहले से सोशल मीड़िया पर दूसरे समुदाय के लोगों के प्रति बजरंग दल से संबद्ध मोनू मानेसर की तरफ से घृणा फैलायी जा रही थी। तभी सरकार और प्रशासन को सचेत हो जाना चाहिए था। मोनू मुस्लिम समुदाय के दो लोगों को जिंदा जला देने के मामले में वांछित है। हरियाणा सरकार अब इसके पकड़ने की बात कर रही है। साथ ही, इसके जवाब में दूसरे समुदाय की सोशल मीड़िया पर कथित जवाबी तैयारी पर उसी मुस्तैदी से कार्रवाई की जानी चाहिए थी। ऐसा होता तो न साजिशन हिंसा हुई होती और न दर्जनों दुकानें और सैकड़ों वाहन खाक हुए होते। जानमाल की इस कदर हुई क्षति के लिए और कोई नहीं प्रथमदृष्टया हरियाणा सरकार और उसके प्रशासन की काहिली दोषी है। जब इसी एक यात्रा के दौरान एक मकबरे को फूंक दिया गया था, जिसका पुनर्निर्माण प्रशासन को कराना पड़ा था। तो ताजा यात्रा के शांतिपूर्ण सम्पन्न हो जाने का इल्हाम कैसे हो गया, जबकि इसी दौरान दूसरे पक्ष की तरफ से व्यापक हिंसा की संगठित तैयारी की जा चुकी थी। इस पक्ष ने अवैध असलहों के जरिए शांतिपूर्ण यात्रा के दौरान दहशतगर्दी फैलाने में कोई कसर नहीं रखी। निश्चित रूप से इन उपद्रवियों को कानून के कठघरे में लाना चाहिए, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। इस घटना के विरोध में विहिप-बजरंग दल की रैलियों की इजाजत देने के साथ सर्वोच्च अदालत ने इसके शांतिपूर्ण होने की हर संभव व्यवस्था करने को कहा है, जिसमें वीड़ियोग्राफी तक शामिल है। इन रैलियों के दौरान नूंह की पुनरावृत्ति न होने देने के लिए हरियाणा समेत केंद्र, उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली की सरकारों को भी सख्त निर्देश दिया है।

कटाक्ष/सहीराम

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

मंडल और कमंडल की राजनीति एक बार फिर उफान पर

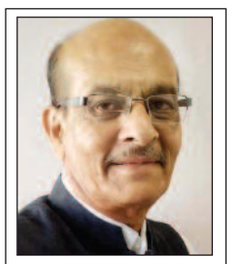

सनत जैन

सन्1990 में मंडल और कमंडल की जो राजनीति देश में शुरू हुई थी, एक बार वह फिर परवान चढ़ने लगी है। बिहार में जाति जनगणना को लेकर मंडल की जो राजनीति शुरू हुई थी, अब वह पूरी तरह से परवान चढ़ चुकी है। बिहार हाईकोर्ट ने जातीय जनगणना को लेकर बिहार सरकार को हरी झंडी दे दी है।

इंडिया गठबंधन के दल भी जाति जनगणना के पक्ष में एकजुट होते जा रहे हैं। पटना हाईकोर्ट द्वारा राज्य में जातियों की गणना करने को मंजूरी मिलने के बाद अब देश के राजनीतिक समीकरण बड़ी तेजी के साथ बदलते हुए दिख रहे हैं। लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में राम मंदिर आंदोलन की शुरूआत हुई थी। 1989 में केन्द्र में जानता दल के गठबंधन में शामिल थी। जिसके प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह थे। राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा सरकार से बाहर हो गई। राम मंदिर आंदोलन का विस्तार करने के लिए भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रथयात्रा निकाली। विश्व हिंदू परिषद राम मंदिर आंदोलन में बढ़-चढ़कर शामिल हुआ। इसके जवाब में मंडल की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह, मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, जॉर्ज फर्नांडिस, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार मंडल राजनीति के सबसे बड़े पक्षधर होकर सामने आए। अब इसमें से बिहार के दो नेता ही जीवित बचे हैं। बाकी सब की मृत्यु हो चुकी है। बीपी सिंह, मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, जॉर्ज फर्नांडिस का निधन हो गया है। नीतीश कुमार और लालू यादव ही जिंदा है। इस बार जातीय समीकरण को लेकर बिहार में जो जनगणना हो रही है। इन दोनों नेताओं द्वारा जाति जनगणना को लेकर देशभर में एक नई जन चेतना जागृत करने का काम शुरू कर दिया है। 1990 से लेकर 2023 तक के लगभग 15 साल भाजपा सत्ता में रह चुकी है। राम मंदिर का निर्माण भी लगभग लगभग हो चुका है। जनवरी 2024 में रामलला की मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होनी हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए दीपावली पर इस बार बड़ा कार्यक्रम भाजपा देश भर में करने जा रही है। घर-घर में दीपक जलाए जाएंगे। स्वतंत्रता के समय जिस तरीके का जश्न सारे देश में मनाया गया था। भगवान राम श्रीलंका में विजय प्राप्त करके जब अयोध्या लौटे थे। अयोध्या के लोगों ने जो दीपोत्सव मनाया था, अब दीपावली 2023 में सारे देश में दीपोत्सव मनाया जाना है। इसकी संपूर्ण तैयारियां भाजपा (कमंडल) ने कर ली हैं। इसके जवाब में अब मंडल भी जाति जनगणना को लेकर 80:20 का जो फामूर्ला भाजपा ने दिया था, उसमें मंडल सेंध लगा रहा है। 80 फीसदी हिंदू जातियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए मंडल की राजनीति शुरू हो गई है। सारे देश में विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल सभी राजनीतिक दल जातीय जनगणना की मांग में शामिल हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 4 फीसदी आरक्षण मुसलमानों का कम करके जो राजनीति भाजपा ने धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर करने की कोशिश की थी, उसी को आधार बनाकर एक बार फिर मंडल और कमंडल आमने-सामने हैं।

भारत में अंग्रेजों के शासन काल में 1931 की जनगणना जातीय आधार पर हुई थी। उसके लगभग 90 साल हो चुके हैं। भारत सरकार ने कभी जाति जनगणना नहीं कराई है। 2011 की जनसंख्या के आधार पर आरक्षण की बात की जाती है। 2021 की जनगणना अभी तक शुरू नहीं हुई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार एवं अन्य राज्यों में यह माना जाता है। कि ओबीसी की जातियाँ जनसंख्या में 54 फीसदी हैं। इसी को आधार मानकर 27 फीसदी आरक्षण देने की बात कही जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी जाति के आधार पर जनगणना के कोई आंकड़े नहीं होने पर अधिकतम आरक्षण 50 फीसदी रखने का आदेश दिया था। इसके बाद से ही जातीय जनगणना करने की मांग बढ़ती जा रही है। भाजपा ने हिंदुओं की जनसंख्या को 80 फीसदी जिसमें दलित, पिछड़े और स्वर्ण वर्ग की आबादी शामिल है। पिछले 2 लोकसभा के चुनाव धार्मिक आधार पर इसका फायदा भाजपा ने ले लिया है।

मंडल के नेता धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण कर सत्ता में आने वाली भाजपा के ऊपर पिछड़ों और दलितों का उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाकर जातीय जनगणना की वकालत कर रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कत अब भाजपा को हो रही है। पिछले 10 वर्षों में धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर हिंदू एकजुट हुए थे। जातीय जनगणना में एक बार फिर हिंदू वोट बैंक बिखरने की कगार पर हैं। इसको देखते हुए यह भी कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव समय के पूर्व सरकार करा सकती है। आरक्षण का यह मुद्दा व्यापक स्वरूप ले, इसके पहले भाजपा लोकसभा का चुनाव करा लेना चाहती है। यह भी कहा जा रहा है कि नवंबर दिसंबर माह में लोकसभा के चुनाव हो सकते हैं। बहरहाल एक बार फिर मंडल और कमंडल के जिन्न आमने-सामने हैं।

मणिपुरः तू इधर-उधर की बात न कर.

रजनीश कपूर

मशहूर शायर शहाब जाफरी का एक चर्चित शेर है, 'तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि काफिला क्यों लुटा। मुझे रहजनों से गिला नहीं तिरी रहबरी का सवाल है।' मणिपुर हिंसा को लेकर पिछले कुछ दिनों से देश की सर्वोच्च अदालत भी सरकार से कुछ ऐसे ही सवाल कर रही है। मणिपुर में हुई बर्बरता के चलते पूरा देश शर्मसार है, परंतु इस मामले पर जब भी कोई मणिपुर की सरकार या सत्तारूढ़ दल के नेताओं से सवाल पूछता है तो वे दूसरे राज्यों में हुई महिला अपराधों की घटनाओं या अन्य हिंसा के मामलों कि तुलना करते हैं।

बीती 3 मई को मणिपुर में आरक्षण के मुद्दे को लेकर जो हिंसा भड़क उठी उसने अब तक 160 से ज्यादा लोगों की जान ली और सैकड़ों लोगों को बेघर कर दिया है। बीते मंगलवार को जिस तरह देश के मुख्य न्यायाधीश ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया उससे एक बात तो निश्चित है कि सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के अधिकतर सवालों का जवाब देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के पास नहीं था। दो दिन से सर्वोच्च अदालत में केंद्र सरकार से जोझजो सवाल पूछे जा रहे थे उनका उत्तर या संबंधित आंकड़े मीडिया के माध्यम से सभी को पता हैं, परंतु

अफसोस की बात है कि सरकार के वकीलों के पास कोई जानकारी नहीं थी। बीते सोमवार को जब मुख्य न्यायधीश ने मणिपुर की हिंसा की तुलना देश के अन्य शहरों में होने वाली हिंसा से होती देखी तो वे इस बात पर बहुत आक्रोशित हुए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने जो भी कहा उसे देश भर ने पढ़ा और सुना। न्यायाधीश ने कहा कि, 'मणिपुर में जो हुआ उसे हम यह कहकर सही नहीं ठहरा सकते कि ऐसे मामले और प्रदेशों में भी हुए हैं। यह मामला 'निर्भया' जैसा नहीं है। वह भी भयानक था, लेकिन यहां यह एक अलग स्थिति है। यहां सांप्रदायिक और जातीय हिंसा प्रभावित क्षेत्र में ऐसी घटनाओं का एक पैटर्न है।' उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है कि जिस इलाके में यह बर्बरता हुई उस इलाके की पुलिस को इस वारदात की कोई जानकारी ही नहीं थी? कितनी जीरो एफआईआर फाइल हुई? क्या इन जीरो एफआईआरों को संबंधित पुलिस थानों में पहुंचाया गया? न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को सरकार से इस बात का भी जवाब नहीं मिला कि मणिपुर में दर्ज हुई 6000 एफआईआर में किस अपराध पर कितनी एफआईआर दर्ज हुई हैं? हर बात पर सॉलिसिटर जनरल का जवाब था कि इसकी जानकारी प्राप्त करनी पड़ेगी। इन सभी जवाबों से तंग आकर ही मणिपुर के डीजीपी को तालाब किया गया। 7 अगस्त को मणिपुर के डीजीपी को ना सिर्फ कोर्ट में मौजूद रहना होगा बल्कि सभी सवालों के जवाब भी साथ लाने होंगे और कोर्ट में पूछे जाने वाले सवालों का भी जवाब देना होगा। तमाम टीवी डिबेट में सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर लांछन लगाने पर तुले हैं। कोई भी इस समस्या की गहराई तक जाता नहीं दिखाई दे रहा। एनसीआरबी व बीपीआरडी की पूर्व महानिदेशक आईपीएस मीरा चड्ढा बोरवांकर का कहना है कि, इन सभी 6000 एफआईआर को यदि 10-10 कर पुलिस अधिकारियों के बीच बांट दिया जाए तो इसके लिए न सिर्फ 600 जांच अधिकारी चाहिए होंगे बल्कि 600 प्रासिक्यूटर भी चाहिए होंगे। बड़ी संख्या में टेक्निकल अधिकारी भी चाहिए होंगे जो इस बात की पुष्टि करेंगे कि मोबाइल की लोकेशन के आधार पर वहां कौन-कौन मौजूद था। एफआईआर की इतनी बड़ी संख्या को झेलने के लिए बड़ी संख्या में स्पेशल अदालतों की भी आवश्यकता होगी। सोचने वाली बात यह है कि जो भी दल मणिपुर पर राजनीति कर रहे हैं क्या उनके पास इस बात का उत्तर है कि इतनी बड़ी संख्या में दर्ज हुई एफआईआर को सही मुकाम पर ले जाने के लिए क्या केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार के पास इतनी बड़ी फोर्स है? अगर नहीं है तो प्रश्न उठता है कि इन एफआईआर पर निर्णय कब तक आएगा? दोषियों को सजा कब मिलेगी?

सत्ता और विपक्ष के सभी राजनैतिक दल केवल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने और एक दूसरे पर लांछन लगाने का काम कर रहे हैं। कोई भी समस्या के हल की तरफ जाता नहीं दिखाई दे रहा। किसी भी दल ने ऐसी हिंसा करने वालों को कड़ी-से-कड़ी सजा देने की बात नहीं की। ऐसी वीभत्स घटना को अंजाम देने वाले दोषियों को ऐसी सजा देनी चाहिए जिससे एक मिसाल कायम हो और भविष्य में कोई भी ऐसी वारदात को अंजाम देने से पहले कई बार सोचे। ऐसी वारदातों पर इधर-उधर की बात करने से कोई हल नहीं निकलेगा; केवल ये चचाएं ही होती रहेंगी और दोषी खुलेआम घूमते रहेंगे। इन्हें सजा देना एक बड़ी चुनौती होगी। ऐसे में अब देखना यह होगा कि देश की सर्वोच्च अदालत इस मामले में क्या रुख अपनाती है? कैसे इन सवालों का हल ढूंढती है? कैसे नकारा मुख्यमंत्री और उनकी सरकार को उसकी हैसियत दिखाती है? सारे देश और दुनिया की निगाहें सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर टिकी हैं।

महिलाओं पर हो रही हिंसा के खिलाफ निकाला फ्लैग मार्च

संवाददाता

वाराणसी। महिला विकास मंच वाराणसी की टीम फ्लैग मार्च निकाला बंगाल कर्नाटका बिहार मणिपुर में महिलाओ पे हो रहे हिंसा के खिलाफ महिलाओ ने आवाज उठाया। जिसमे शमिल रहीः महिला विकास मंच की जिला अध्यक्षा रीता गुप्ता जी वाराणसी की मिसेज एशिया 2022 की विनर विजयता सचदेवा जी , रेखा जी महिला विकास मंच की सचिव मधु गुप्ता युवा अध्यक्ष ज्योति कविता सिंह कार्यकारिणी पुष्पा मिश्रा जी और अन्य सदस्य भी शामिल रहे मिसेज एशिया विजयता सचदेवा जी ने कहा कि जिस तरह से हर देश प्रदेश में महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है कि महिला का सम्मान सिर्फ शब्दों में रह गया है जहां हम बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ और बेटी बढ़ाओ की बातें करते हैं वहां हम अपनी बेटियों को अब बाहर भेजने से डरते हैं अगर एक पिता एक भाई अपनी घर की बहन,बेटियों को इतनी गंदी नजर से न तो देखता और ना ही सोचता है तो दूसरे की बहन बेटी को इतनी गिरी नजर और सोच बना कर ऐसी गिरी हुई हरकते करने से पहले क्या अपनी बहन बेटियों के बारे ख्याल नही आता या उनके जमीर की रूह नही कपती शायद वो अपनी या अपने खून की नही होती शायद यही सोच कर ऐसा उनके साथ दुर्व्यवहार या रेप जैसी हरकते किया जाता है मेरा किसी को तकलीफ देने का या किसी राजनीतिक से मेरा कोई लेना है हां मैं एक महिला होने के नाते किसी दूसरी महिला के दर्द को समझते हुए समझना चाहती हू और सभी से निवेदन करना चाहती हू की महिला का बेटी या बहन होना अभिशाप नहीं है बल्कि हर पिता और भाई की लाज है उसके साथ ऐसा दुर्व्यवहार ना करें किसी भी महिला के साथ उसके अस्तित्व के आत्मसम्मान का अपमान ना करें उसमें उसका महिला होने महिला का कोई दोष नहीं होता , हां सजा मुकर्रर है गलती होने पर सजा दीजिए पर उसको निर्वस्त्र करके सरेआम बेइज्जत करके नीलाम ना

कीजिए क्योंकि जिस महिला को हम विश्व जननी कहते हैं आज उसी विश्व जननी मां को निर्वस्त्र करके सरेआम निर्वस्त्र घुमाया जाता है क्या उसको एक महिला होने की यही सजा है हर एक के लिए कानून बना है कानून का सहारा लीजिए ८४ उसको निर्वस्त्र कर सरेआम घुमाया जाए या सरेआम रेप किया जाए ये गलत है हर देश मैं छोटी-छोटी बच्चियों बच्चियों के साथ रेप होना उन्हें मार देना जिंदा जला देना मैं पैदा होते ही मार देना ये क्या है , क्या वो एक बेटी होने अभिशाप लेकर आई है , एक पिता एक भाई के लिए अभिशाप तो नहीं है , अगर ऐसा है तो हर भाई हर पिता के लिए अभिशाप है क्या सत्य है की वो एक महिला है किसी अन्य पुरूष की बहन और बेटी है क्या यही सोचकर पुरुष जो है एक दूसरे की बहन बेटियों के साथ ऐसा व्यवहार करता है क्यू किसी महिला को कमजोर समझ के हथियार क्यों बनाया जाता है हर प्रदेश के हर राज्य की सरकार को महिलाओं के लिए एकत्रित होकर इस पर विचार करना चाहिए कि महिलाओं के सम्मान के लिए ऐसी क्या नीति बनाए जिससे उनका सम्मान हो सके बस की सीटों पर महिलाओं की सीट लिख दी जाती है ,यह लिख दिया जाता है महिला को पहले स्थान दिया लेकिन क्या यही सम्मान दिया जाता है इस रूप में इस तरह से मुझे तो नहीं लगता और अगर लिखना ही काफी है तो निभाना किसे कहते हैं क्या भारतीय संस्कृति यही सिखाती है अपने बच्चों को यही सिखाते हैं जिस तरह की हरकतें करते हैं वह अपने बच्चों को यही सीख देते हैं जो खुद ऐसी सोच रखते हैं ऐसी सोच है । हमारी संस्कृति में हर महिला को सम्मान दिया जाता है यही यही सिखाया जाता है पहले भी देवतओ से पहले देवियों का नाम और उन्हें सम्मान दिया जाता था। शायद यह तभी खत्म हो सकता जब तक की एक दुर्गा और नो स्वरूप में हर महिलाएं एकत्रित नहीं होती अगर हर कोई दुर्गा बनना चाहता है तो बाकी स्वरूप का क्या होगा ऐसे राक्षसों का संघार करने के लिए चंडी कौन है ज्वाला कौन है ब्रह्मचारिणी कौन है ये सब देवियां कहां है और ये नो रूप कहां पर विलुप्त है एकत्रित होकर वह देवियां क्यों नहीं आती नव स्वरूप अगर आज एक हो जाए हर महिला अपने आप में दुर्गा ही सिर्फ नहीं है वो नव स्वरूप मैं नजर आएगी और शायद उस दिन राक्षसों का संहार हो जाएगा यह महिलाओं के प्रति जो जो व्यवहार होता है इस तरीके से जो हरकत की जाती हैं या इस तरह गंदी हरकतें होती है एक महिला का सरेआम आत्मसम्मान का अपमान किया जाता है शायद वह खत्म हो सके हम सबको मिलाकर गंभीरता से इन विषयों पर विचार करना चाहिए और मै सभी देश प्रदेश की सभी सरकार से हाथ जोड़कर विनती करना चाहती हू सभी हर सरकार को एक साथ एकत्रित होकर महिलाओं महिलाओं की सुरक्षा के लिए जरूर से गंभीरतापूर्वक विचार करें और उन्हें न्याय दे उनके सम्मान के साथ-साथ आत्म सम्मान के लिए भी नियम और कानून और भी खड़े होने चाहिए जिससे भी किसी भी महिला के साथ ऐसा दुर्व्यवहार ना हो सके किसी महिला को निर्वस्त्र ना कोई कर सके उसके साथ ऐसी घिनौनी हरकतें ना हो सके किसी बहन बेटियों के साथ सरेआम ऐसी अभद्रता ना हो सके।

संक्षिप्त डायरी

महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय को रोकने के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगीः नीलम जोशी

संवाददाता

कोटगाड़ी देवी ट्रस्ट की संस्थापक/ चेयरपर्सन पंडित नीलम जोशी जी ने बताया कि मणिपुर में जो महिलाओं के साथ समाज के सामने शर्मनाक अभद्रता एवं अपराध हुआ है उस घटना को सुनकर अत्यंत शर्मिंदगी महसूस हो रही है भारत देश जहां महिलाओं को देवी का दर्जा दिया जाता है और आज उसी महिला के साथ समाज व भीड़ के सामने उन्हें निर्वस्त्र कर यौन हिंसा की गई यह हमारे देश के लिए बहुत ही भयभीत करने वाली घटना है जहां आज हमारे देश में महिलाएं विभिन्न पदों में रहकर अपने अपने कार्यों का निर्वहन कर रही हैं और दूसरी तरफ महिलाओं के साथ दरिंदगी कर दुर्व्यवहार किया जा रहा है हमारी संस्था महिला उत्थान के लिए कार्य कर रही है और मेरा शासन प्रशासन से अनुरोध है कि इस घटना को संज्ञान में लेते हुए सख्त से सख्त कानूनी कारवाई कर अपराधियों को कठोर दंड मिलना चहिए।अगर वर्तमान में महिलाओं के साथ हो रहे हैं अभद्रता को नहीं रोका गया तो भविष्य में महिलाओं का घर से बाहर निकलना कठिन हो जाएगा एवं इस प्रकार की घटनाएं भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा को और बढ़ावा देगी क्योंकि समाज में महिलाओ के साथ हो रही इस प्रकार की घटना हमारे देश के लिए अपमानजनक है। पंडित नीलम जोशी जी ने बताया कि महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय को रोकने के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगी।

स्कूली बस नहर में गिरने पर 3 के खिलाफ एफआईटार

संवाददाता

बिजनौर । स्योहारा इलाके में कल बच्चों से भरी बस नहर में गिरने के मामले मे पुलिस ने बस चालक और स्कूल प्रबंधक के खिलाफ केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। स्योहारा थाना क्षेत्र के सदाफल इलाके में सचालित एनएस इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों से भरी बस बुधवार को अलियारपुर नहर पटरी की दीवार को तोड़ते हुऐ नहर मे जा गिरी थी। जिसमें लगभग 12 स्कूली बच्चे घायल हो गये। जिनकों परिजनो ने बिजनौर व मुरादाबाद के अलग अलग अस्पतालों मे भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान 2 के छात्र लक्की पुत्र महेश सैनी की मौत हो गई थी। गुस्साए परिजन बच्चे का शव लेकर सैकड़ों ग्रामीणों के साथ थाने पर पहुंचे थे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाने में जमकर हंगामा किया था। पुलिस ने मृतक छात्र लक्की के पिता महेश सैनी की तहरीर के आधार पर बस चालक व स्कूल प्रबंधक के खिलाफ धारा 279/337/338/304/504 केस दर्ज कर लिया और मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने आज बस चालक कृपाल सिंह, स्कूल प्रबन्धक हरिओम और स्कूल प्रबन्धक पवन को गिरफ्तार कर ली है।

प्रॉपर्टी के लिए बेटे ने बाप को मार डाला

प्रयागराज । प्रॉपर्टी विवाद में एक बेटे ने पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। बंटवारे के झगड़े में बेटे धीरेंद्र ने लकड़ी के पाया से पिता के सिर पर वार कर दिया। जिससे वो बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़े, उसके बाद चाकू से गला रेत दिया। ये वारदात गुरुवार रात 10.30 बजे हुई। परिवार ने रात करीब 12.30 बजे पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ की जा रही है। मामला अतरसुइया इलाके का है। अतरसुइया में रहने वाले हंसराज सिंह (65) के दो बेटे हैं। बड़े बेटे का नाम धीरेंद्र सिंह है और छोटे बेटे का नाम देवेंद्र सिंह। गुरुवार की रात धीरेंद्र और पिता हंसराज के बीच मकान के बंटवारे को लेकर विवाद शुरू हुआ। पहले कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट शुरू हो गई। उस समय रात को करीब साढ़े 10 बज रहे थे। धीरेंद्र चाहता था कि मकान का बड़ा हिस्से उसे मिले। जबकि हंसराज तैयार नहीं थे। इसी दौरान धीरेंद्र ने घर में रखे लकड़ी के पाया को उठा लिया और अपने पिता की तरफ दौड़ा। छोटे बेटे देवेंद्र और मां ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उनके ऊपर भी हमलावर हो गया। उसके सिर पर खून सवार था। दोनों वहां से हट गए और अपने को एक कमरे में बंद कर लिया। धीरेंद्र ने इसके बाद अपने पिता के सिर और शरीर पर लकड़ी के पाया से कई वार कर किए। इसके बाद उनका गला भी रेत दिया। हंसराज की वहीं पर मौत हो गई। धीरेंद्र वहां से भाग निकला। बाद में छोटे बेटे देवेंद्र और मां हंसराज को लेकर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय गए। जहां डॉक्टरों ने हंसराज को मृत घोषित कर दिया। अतरसुइया इंस्पेक्टर राजेश यादव ने बताया कि धीरेंद्र नशे का आदी है। बाप भी नशा करते हैं।

बिजनौर के लोगों में गुलदार का खौफ

संवाददाता

बिजनौर । खूंखार गुलदार पिछले कई महीनों से सिलसिलेवार हमले करके लोगों की जाने लेने से बाज नहीं आ रहा है। यही वजह है कि अब तक इस साल गुलदार के हमले में 13 लोगों की जानें जा चुकी हैं। 3 दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो चुके है। दिन ब दिन हमले से पूरे इलाके के लोगों की दिन का सकून व रातों की नींद उड़ा रहा है। किसान अब हाथों में लाठी डंडे लेकर समूह में खेती करने जा जाने को मजबूर है। हालांकि वन विभाग के अफसर नरभक्षी गुलदार की तलाश में जंगल की खाक छानने में जुटे हैं। लेकिन गुलदार अभी तक पकड़ से दूर है। बिजनौर जिले में पिछले सात महीनों में गुलदार खौफ का दूसरा नाम बन गया है। शहर-शहर गांव-गांव गुलदार के हमले से लोगों के सिर पर मंडराती मौत से लोग दहशत में है। लोगों की जान लेने वाले गुलदार को वन विभाग ने आदमखोर घोषित कर उसकी तलाश के लिए दुधवा नेशनल पार्क से दो और कार्बेट नेशनल पार्क से दो हथिनयों व प्रदेश के अलग-अलग जगहों से एक्सपर्ट की टीम बिजनौर पहुंचकर पिछले कई दिन से गुलदार की तलाश में जुटी है। लेकिन अभी तक गुलदार की पकड़ से दूर है। टीम के सर्च अभियान के बीच भी गुलदार दो लोगों की जान ले चुका है। उधर गुलदार का खौफ इतना है कि अब जंगल में सन्नाटा पसर गया है। किसान अब खेतों पर काम करने जाने से भी बच रहे हैं। खौफ के चलते ग्रामीण पशुओं के लिए चारा भी नहीं ला पा रहे। स्कूली बच्चे भी स्कूल में पढ़ने नहीं जा रहे। पिछले 1 हफ्ते की अगर बात करें तो गुलदार ने 27 जुलाई की शाम के वक्त तेलीपुरा में एक नौजवान युवक को खेत से पशुओं के लिए चारा काटने के दौरान हमला करके उसकी जान ले ली थी। दूसरी घटना 2 अगस्त शाम की है। जब एक बुजुर्ग किसान ब्रह्मपाल अपने खेतों पर काम कर रहा था। इसी दौरान घात लगाए बैठे गुलदार ने बुजुर्ग किसान की भी जान ले ली । उधर किसान खौफ के चलते अब समूह बनाकर 8-10 लोगों के साथ खेतों पर काम करने जा रहे हैं।

कुछ किसान खेतों से चारा काटते हैं। जबकि 5 से 6 किसान हाथों में लाठी-डंडे व हथियार लेकर रखवाली करते है। तब कही जाकर पशुओं के लिए चारा काटा जा रहा है। डीएफओ ऐके सिंह का कहना है कि जिन गांव में गुलदार की लोकेशन मिल रही है। वहां पर ड्रोन कैमरा, ट्रैप कैमरा, 30 पिंजरे नरभक्षी गुलदार को पकड़ने के लिए लगाए गए है।लगातार प्रयास जारी है।

बिजनौर में जुमे की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट

शांति पूर्वक सम्पन्न हुई नमाज

संवाददाता

बिजनौर । जुमे की नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा। पुलिस ने जिले भर की सभी मस्जिद के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की। ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी गई। एसपी सिटी, एसपी ग्रामीण सहित पुलिस अफसरों ने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा का जायजा लिया। जिस वजह से जिले भर की सभी मस्जिदों में शांति पूर्वक जुमे की नमाज संपन्न हुई। दरअसल शुक्रवार को बिजनौर जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जुमे की नमाज अदा की गई। जिले भर की सभी मस्जिदों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। हरियाणा में हुई हिंसा को लेकर एक तरफ जहां हरियाणा में अलर्ट है। वहीं इसी वजह से अब यूपी में भी अलर्ट है। जिसको लेकर बिजनौर पुलिस अलर्ट है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर जिले भर की सभी मस्जिदों के बाहर सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात रहा। एसपी सिटी डॉक्टर प्रवीन रंजन सिंह ने शहर क्षेत्र ,झालु, और हल्दौर क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया। वहीं एसपी ग्रामीण राम अर्ज ने नगीना पहुंच कर पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया। वहीं इस मामले में एसपी सिटी डॉक्टर प्रवीन रंजन सिंह ने बताया की जुमे की नमाज को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल गश्त कर रहा है।

अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

बिजनौर में पिछले काफी समय से सरकारी जमीन पर हो रहा था निर्माण

संवाददाता

बिजनौर । स्योहारा इलाके में आज सरकारी जमीन पर किए कब्जों पर सरकारी चाबुक चला। सरकारी विभागों की टीमों की कार्यवाही से अवैध कब्जा धारियों में खलबली मची रही। टीम ने बुलडोजर चलवाकर अवैध अतिक्रमण को हटाया। पूरा मामला बिजनौर के स्योहारा क्षेत्र का, जहां आज नगर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किए हुए कब्जाधारियों में आज उस समय खलबली मच गई जब लोक निर्माण विभाग और नगरपालिका की संयुक्त टीम ने शिकायत के बाद दो स्थानों पर जाकर कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जों से सरकारी संपत्ति को खाली कराया। बताया जा रहा

है की अवैध कब्जाधारियों ने सरकारी जमीन पर पिछले काफी समय से सरकारी जमीन पर निर्माण कर कब्जा कर रखा था। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन एके शर्मा ने बताया कि आज की इस कार्रवाई में ठाकुरद्वारा मार्ग पर भूमि संख्या 1147 जो कि खाद के गड्ढों में दर्ज है उस जमीन पर बनी अवैद्य दुकानों को हटाया गया है। इसके अलावा यही पर संख्या 1245 जो कि कब्रिस्तान के रास्ते पर हुए निर्माण को हटाने के लिए नगरपालिका के ईओ द्वारा सप्ताह भर का समय दिया गया है। इसके साथ ही भाग संख्या 1198 जो कि लोक निर्माण विभाग की भूमि है को भी कब्जा मुक्त कराकर बाकी अंश पर खड़ी इमारत को हटाने के लिए कब्जाधारी को जल्द कब्जा हटाने के लिये कहा गया है।वहीं क्षेत्र में हुई आज इस कार्रवाई से नगर में अन्य स्थानों पर अवैध कब्जा किये हुए कब्जाधारियों में खलबली का माहौल बन गया है। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी से एक्सईएन एके शर्मा, जेई अश्मनी वर्मा और नगरपालिका ईओ विजेंद्र पाल सिंह, बड़े बाबू देवेंद्र सिंह, पटवारी आदि मौजूद रहे।

आगरा में बारिश से मकान ढहा, 2 की मौत

आगरा । बड़ा हादसा हो गया। यहां शुक्रवार तड़के एक जर्जर हवेली ढह गई। इसकी चपेट में 2 और मकान आए। बारिश के बीच इस मलबा में 5 लोग दब गए। चीख-पुकार के बीच लोग मदद के लिए दौड़ आए। जेसीबी की मदद से लोगों को बाहर निकाला गया। इसमें एक बच्ची समेत 2 लोगों की मौत हो गई। ये हादसा बाह तहसील के उमरैठा गांव हुआ है। ये हवेली 300 साल पुरानी बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, देर रात से कानपुर, सहारनपुर, लखनऊ में रूक-रूककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को यूपी के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। सहारनपुर में भी बारिश जारी है। गुरुवार को गर्मी लोगों को परेशान करती रही। लेकिन देर रात को अचानक मौसम बदल गया। रात करीब 1 बजे से बारिश हो रही है। बारिश होने से शुक्रवार सुबह अधिकतम तापमान 34°C और न्यूनतम तापमान 26°C दर्ज किया गया। यूपी में आज भी भारी बारिश का अलर्ट

जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 36 जिलों में आज तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। वहीं अगस्त में ये पहला मौका है, जब गुरुवार को यूपी में औसत से 38% ज्यादा बारिश हुई। पूरे यूपी में 10.10 मिमी. बारिश हुई। वहीं, कानपुर में तेज हवाओं के साथ रात से ही बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मथुरा, आगरा, हाथरस, फिरोजाबाद, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बांदा और चित्रकूट में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय के मुताबिक यूपी में अब 9 अगस्त तक बारिश वाला मौसम ही बना रहेगा।

मुख्यमंत्री ने न्याय विभाग के कार्यों की समीक्षा

● प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में सरकारी विभागों के लम्बित मामलों के शीघ्र निस्तारण के दृष्टिगत शासकीय अधिवक्ताओं के अलावा, विशेषज्ञ अधिवक्ताओं का पैनल बनाते हुए न्यायालयों में प्रभावी पैरवी के लिए उन्हें नियुक्त किया जाएः मुख्यमंत्री ● 10 जनपदों में एकीकृत न्यायालय परिसरों का विकास किया जा रहा, जिन जनपदों में भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है, उनके भवन के निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जाए ● अधिवक्ता कल्याण निधि के 220 करोड़ रु0 के कॉर्पस फण्ड को बढ़ाकर 500 करोड़ रु0 किया जाए ● ई-कोर्ट की परिकल्पना को साकार करने के लिए न्यायालयों के डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी लाएं ● सुदृढ़ न्याय व्यवस्था सुशासन का आधार, इसके दृष्टिगत ग्राम न्यायालयों को प्रोत्साहित करें ● नोटरी के नवसृजित 2500 पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ नियुक्ति की कार्यवाही को तेजी के साथ आगे बढ़ाएं

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर न्याय विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर प्रस्तुतिकरण का अवलोकन करने के उपरान्त उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में सरकारी विभागों के लम्बित मामलों का शीघ्र निस्तारण अति आवश्यक है। इसके दृष्टिगत शासकीय अधिवक्ताओं के अलावा, विशेषज्ञ अधिवक्ताओं का पैनल बनाते हुए न्यायालयों में प्रभावी पैरवी के लिए उन्हें नियुक्त किया जाए। इन विशेषज्ञ अधिवक्ताओं की फीस भी निर्धारित की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आमजन की सुविधा के दृष्टिगत न्यायिक प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए 10 जनपदों-महोबा, हाथरस, चंदौली, शामली, अमेठी, हापुड़, औरैया, सोनभद्र, सम्भल तथा चित्रकूट में एकीकृत न्यायालय परिसरों का विकास किया जा रहा है। इनमें से जिन जनपदों में भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है, उनके भवन के निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन जनपदों में अभी भूमि का अधिग्रहण नहीं हुआ है, वहां भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही में तेजी लायी जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अधिवक्ता

कल्याण निधि के 220 करोड़ रुपये के कॉर्पस फण्ड को बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये किया जाए। यह फण्ड असामयिक मृत्यु की स्थिति में दिवंगत अधिवक्ताओं के परिजनों के लिए आर्थिक सम्बल बनेगा। उन्होंने सभी न्यायालयों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि न्यायालयों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। ई-कोर्ट की परिकल्पना को साकार करने के लिए न्यायालयों के डिजिटाइजेशन के कार्य में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सुदृढ़ न्याय व्यवस्था सुशासन का आधार है। इसके दृष्टिगत ग्राम न्यायालयों को प्रोत्साहित करें। आमजन को सस्ता, सरल, सुलभ और त्वरित न्याय तहसील स्तर पर ही मिले, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। नोटरी अधिवक्ताओं की नियुक्ति एवं उनके प्रमाण पत्रों के नवीनीकरण के लिए इसी वर्ष जनवरी माह में ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च हुआ था। इसके माध्यम से नोटरी के नवसृजित 2500 पदों के लिए काफी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। मेरिट को आधार बनाते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ नोटरी अधिवक्ताओं की नियुक्ति की कार्यवाही को तेजी के साथ आगे बढ़ाएं।

अंगदान के लिए प्रशंसा की जानी चाहिए: मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि अंगदान के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और उनकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की जानी चाहिए। श्री मांडविया ने यहां 13वें भारतीय अंगदान दिवस (आईओडीडी) समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन देने से बड़ी मानवता की सेवा नहीं हो सकती।

इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार और प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल तथा तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम. सुब्रमण्यम भी उपस्थित थे। यह समारोह मृत व्यक्तियों के परिवारों को अपने प्रियजनों के अंगदान करने के साहसिक निर्णय के लिए सम्मानित करने, मृत व्यक्ति के अंगदान करने के बारे में जागरूकता फैलाने और अंगदान तथा प्रत्यारोपण के क्षेत्र में काम करने वाले चिकित्सकों के योगदान को मान्यता प्रदान करने और उन्हें पुरस्कार देने के लिए आयोजित किया गया था।

रोबोटिक की मदद से की गयी जटिल गॉलब्लैडर सर्जरी

नई दिल्ली। दिल्ली के एक निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने रोबोट की मदद से एक जटिल गाल ब्लैडर सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। फोर्टिस अस्पताल शालीमार के रोबोटिक- लैप जीआई ओंकोलॉजी, बेरियाट्रिक एंड मिनीमल इन्वेसिव सर्जरी के प्रधान निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ प्रदीप जैन ने यहां संवाददाताओं को बताया कि 36 वर्षीय महिला का गॉल ब्लैडर आसपास फैली छोटी आंत एवं बड़ी आंत में बुरी तरह से फंसा हुआ था और बाइल डक्ट भी फंसी थी। डॉ जैन ने बताया कि पीड़ित महिला का सीटी स्कैन और पेट स्कैन किया गया और रोबोट की मदद से उनका गालब्लैडर निकालने का फैसला किया गया। उन्होंने बताया कि महिला का इलाज समय पर इलाज न किया जाता तो गालब्लैडर आसपास के अंगों से और चिपक सकता था। उनके गॉलब्लैडर की दीवार भी सख्त हो गयी थी।

उन्होंने कहा, हमने सफलतापूर्वक उनकी रोबोटिक सर्जरी की। रोबोटिक-असिस्टेंस से की जाने वाली सर्जरी खासतौर से इस प्रकार की जटिल और चुनौतीपूर्ण प्रक्रियाओं में काफी संभावनाओं से भरपूर है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक सर्जरी की तुलना में रोबोटिक सर्जरी काफी फायदेमंद होती है। इसके प्रयोग के लिए लचीले उपकरणों के साथ-साथ बाइल डक्ट को ठीक प्रकार से देखने के लिए विशेषज्ञ तकनीकों का भी लाभ मिलता है।

दिल्ली कोर्ट ने मानहानि मामले में बजरंग पुनिया को भेजा समन

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पहलवान बजरंग पुनिया को कुश्ती कोच नरेश दहिया द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर 6 सितंबर को तलब किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिला पहलवानों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान 10 मई को जंतर-मंतर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पुनिया ने अन्य पहलवानों/व्यक्तियों के साथ मिलकर उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने कहा कि उनका मानना ??है कि मानहानि के सभी तत्व इस मामले में मौजूद हैं। सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट ने कहा, ÷शिकायत, सहायक दस्तावेजों और सम्मन पूर्व साक्ष्यों पर विचार करने के बाद, मेरा प्रथम दृष्टया विचार है कि मानहानि शिकायत सही है। उन्होंने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया गया बयान उचित नहीं था।

दिल्ली की कोर्ट ने बृजभूषण के खिलाफ आरोप पत्र पर सुनवाई स्थगित की

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा दायर कथित यौन उत्पीड़न मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप पत्र पर सुनवाई स्थगित कर दी। अदालत ने मामले की सुनवाई 9, 10 और 11 अगस्त के लिए स्थगित कर दी।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) हरजीत सिंह जसपाल ने सिंह की ओर से दलील सुनने के बाद कहा,÷बचाव पक्ष के वकील ने आवेदन में उल्लिखित उक्त दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी आज ही आईओ से लेने का वादा किया है। तदनुसार निर्देश दिया गया कि बचाव पक्ष के वकील के वचन के साथ, उक्त आवेदन का निपटारा किया जाता है। अदालत ने कहा, अनुरोध पर, मामले को 09 अगस्त 10 एवं 11 अगस्त

को आरोप पर बहस के लिए रखा गया है। श्री सिंह के वकील ने आवेदन दायर करने के बाद कहा कि दिए गए दस्तावेज पूरे हैं। हालाँकि कुछ दस्तावेज़ हैं, जिनमें से उन्होंने एक बेहतर प्रतिलिपि की मांग की। एसीएमएम अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए सिंह और उनके सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ 18 जुलाई को पेश होने के लिए समन जारी किया और 20 जुलाई को पेश होने के बाद 25,000 रुपये के निजी मुचलके भरने की शर्तों के साथ नियमित जमानत दे दी।

दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद, 15 जून को सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

मिसेज़ इंडिया सौंदर्य प्रतियोगिता 2023 में पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली। श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित मिसेज़ इंडिया सौंदर्य प्रतियोगिता 2023 (सीज़न-4) की चयन प्रक्रिया में धांधली पर खुलासा करने के लिए प्रतिभागियों ने यहाँ प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया।

सुश्री मोहिनी शर्मा द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतियोगी निर्णायक पैनल में पक्षपात और धांधली से जुड़े मुद्दों के बारे में बात करने के लिए यहाँ एकत्र हुए। उपस्थित लोगों में दुबई की प्रतियोगी प्रेरणा सूद, रितु नारायण, जगमीत कौर, सलोनी ग्रोवर और शिविका सिंह बैस शामिल थीं। मिसेज़ इंडिया सौंदर्य प्रतियोगिता 2023 (सीज़न-4) हमेशा से विवाहित महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी उपलब्धियों और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता रहा है। हालाँकि, हालिया आरोपों ने परिणामों की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा कर

दिया है, जिससे प्रतियोगित की प्रतिष्ठा को खतरा है। प्रतिभागियों का आरोप है कि प्रतियोगिता के परिणाम और विजेता पहले से ही सुनिश्चित किये जा चुके थे।

प्रतिभागियों ने आयोजनकर्ताओं पर यह भी आरोप लगाया है कि इस प्रतियोगिता के एक हिस्से के रूप में उनसे उड़ान नाम के एक चैरिटेबल ट्रस्ट में दान देने का कार्य भी बताया गया जो चैरिटेबल ट्रस्ट 2008 में मोहिनी शर्मा और उनकी माता जी के नाम से पंजीकृत है और इस बारे में उन्हें कोई सुचना नहीं दी गयी।

प्रतिभागियों ने बताया की इस चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से आयोजनकर्ता ने प्रतिभागियों से करोड़ों रुपये लुटे हैं।

हेमा मालिनी ने चक्रवर्ती की आत्मकथा 'गैलोपिंग डिकेड्स' का किया अनावरण

नई दिल्ली। प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सदस्य हेमा मालिनी ने अपने भाई की बहुप्रतीक्षित आत्मकथा, 'गैलोपिंग डिकेड्स' का अनावरण नयी दिल्ली के रफी मार्ग स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में किया। इस कार्यक्रम में राजनीतिक और मनोरंजन क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया।

पुस्तक विमोचन समारोह में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन मेगवाल, संसद सदस्य डॉ. शशि थरूर, पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी, सांसद रवि किशन और वृंदावन श्री चैतन्य प्रेम संस्थान के आचार्य वत्स गोस्वामी भी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में डॉ. थरूर ने आर के चक्रवर्ती के साहित्यिक कार्यों और आत्म कथा की प्रशंसा करते हुए कहा, इसमें दशकों के समय का बड़ी ही खूबसूरती के साथ चित्रण किया

गया है।'गैलोपिंग डिकेड्स' की पहली प्रति पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी को भेंट की गई। श्री त्रिवेदी ने इस आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की और लेखक को उनकी साहित्यिक उपलब्धि पर बधाई दी। शाम की भव्यता को बढ़ाते हुए, अभिनेता व सांसद रविकिशन ने भी इस विमोचन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। शालीनता और प्रतिभा की प्रतीक श्रीमती हेमा मालिनी ने इस खुशी के अवसर पर बड़े उत्साह के साथ अपने विचार साझा करते हुए कहा,÷यह एक ऐसा अवसर है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। यह आत्म कथा खूबसूरती से लिखी गई है। इसमें भाई-बहन के स्नेह का सार भी झलकता है।

पुस्तक, 'गैलोपिंग डिकेड्स', श्री आर.के. चक्रवर्ती की जीवन यात्रा का वर्णन करती है, जो उनके उल्लेखनीय जीवन को आकार देने वाले व्यक्तिगत और व्यावसायिक अनुभवों की एक अंतर्दृष्टिपूर्ण झलक पेश करती है। यह पुस्तक जीवन के सभी क्षेत्रों के पाठकों को आकर्षित करेगी।

कार्यक्रम कृतज्ञता और प्रशंसा के भावपूर्ण आदान-प्रदान के साथ संपन्न हुआ, क्योंकि उपस्थित लोगों ने लेखक को उनकी साहित्यिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। 'गैलोपिंग डिकेड्स' एक मनोरम पाठ होने का वादा करती है, जो पूरी तरह से जीए गए जीवन का एक सम्मोहक आख्यान पेश करता है।

पीड़ितों से मिलने गुरुग्राम पहुंचा जमाअत का प्रतिनिधिमंडल

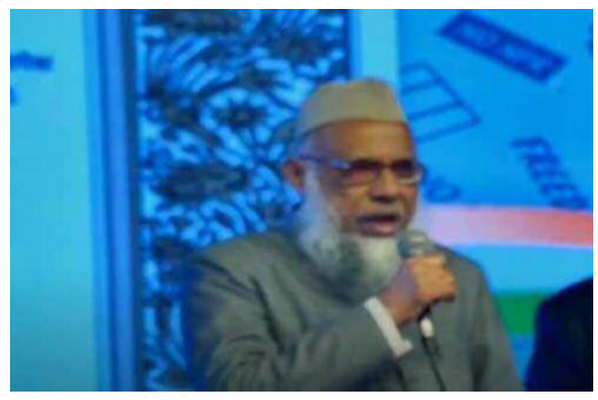

गुरुग्राम। व्यापक सांप्रदायिक हिंसा के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिये राष्ट्रीय सचिव मौलाना शफी मदनी के नेतृत्व में जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के गुरुग्राम का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल में नदीम खान, इनामुर रहमान और लईक अहमद खान सहित जमाअत के अन्य सदस्य भी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने सेक्टर 57 में मस्जिद पर हमले, इमाम साद की हत्या और गुरुग्राम एवं उसके आसपास के अन्य हमलों के बारे में जानकारी हासिल करने के साथ-साथ तत्पश्चात निष्पक्ष जांच की मांग करने के लिये गुरुग्राम की पुलिस आयुक्त से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि सोशल मीडिया प्रचार के कारण हिंसा में वृद्धि हुई और पुलिस बल स्थिति को पर्याप्त रूप से संभालने में नाकाम रही। जमाअत के प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने मौजूदा सांप्रदायिक तनाव और अशांति के कारण उत्पन्न भय पर रोशनी डाली।

जमाअत ने एक बयान में कहा, जमाअत महसूस करती है कि गुरुग्राम की ऐसी स्थिति कि वजह खुफ़िया तंत्र की विफलता और पुलिस विभाग के साथ समन्वय में कमी है। दंडमुक्ति के माहौल ने भी आग में घी डालने का काम किया क्योंकि हिंसा में शामिल असामाजिक तत्वों को यह आश्वासन मिला हुआ है कि राजनीतिक संरक्षण के कारण उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।÷

बयान में कहा गया,÷जमाअत ने शांति और विश्वास बहाली के लिये तत्काल प्रयास करने का आह्वान किया है। समुदायों के बीच बातचीत शुरू करने की दिशा में गंभीर प्रयास होने चाहिए क्योंकि तनावपूर्ण माहौल और सोशल मीडिया पर साझा किये जा रहे शातिर मीडिया प्रचार और हिंसा भड़कने के कारण सांप्रदायिक सद्भाव पर असर पड़ा है। जमाअत ने इस घटना के कारण देश के प्रमुख व्यापारिक केंद्र गुरुग्राम से लोगों के जबरन पलायन पर चिंता जताई। जमाअत ने कहा,÷इससे हमारे शांत कारोबारी माहौल को अप्रत्याशित नुकसान पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिये उचित कदम उठाया जाना चाहिए। जमाअत हिंसा के पीड़ितों के लिये उचित मुआवजे और दोषियों के लिये सजा की मांग करती है।

मांगे पूरी नहीं होने पर बीमाकर्मियों की बड़े आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली। बीमा क्षेत्र के कर्मचारियों के परिसंघ जनरल इंश्योरेंस एम्प्लॉइज ऑल इंडिया एसोसिएशन ने संगठन के 53वें स्थापना दिवस के मौके पर कहा है कि कर्मचारी संगठनों का एक प्रतनिधि मंडल जल्द ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलेगा और बीमा कंपनियों के कर्मचारियों की जायज मांगें उनके सामने रखेगा। जनरल इंश्योरेंस एम्प्लॉइज ऑल इंडिया एसोसिएशन के महासचिव त्रिलोक सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कर्मचारी संगठन अपनी मांगों को लेकर एकजुट हैं और यदि उनकी मांगे पूरी नहीं की गईं तो जनरल इंश्योरेंस एम्प्लॉइज ऑल इंडिया एसोसिएशन देशभर में एक बड़ा आंदोलन शुरु कर देगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठन अपनी मांगों के समर्थन में जल्द ही वित्त मंत्री से मुलाकात करेंगे और उनसे सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों का विलय और एकल निगम का

गठन, कार्य प्रदर्शन से जुड़े वेतन संशोधन के खंड को हटाने, केपीआई, पुनर्गठन और कार्यालयों को बंद करने और विलय करने के नाम पर अतार्किक तरीके से गलत निर्णय को वापस लेने,) सभी संवर्ग में नयी भर्ती शुरू करने तथा परिवारिक पेंशन को 30 प्रतिशत तक और एनपीएस को 14 प्रतिशत तक बढ़ाने की मांग की जाएगी। श्री सिंह ने कहा कि बीमा कंपनियां राष्ट्र की सेवा कर रही हैं और सरकार द्वारा शुरु की गई विभिन्न सामाजिक योजनाओं पर भारी धनराशि खर्च कर रही है इसलिए कर्मचारियों के प्रतिनिधि श्रीमती सीतारमण से कंपनियों को आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराने का भी अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि टीपीए और दलालों पर जांच और संतुलन सुनिश्चित करने के लिए नियामक निकाय का गठन हो और उन उच्च अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए जो नियमों का उल्लंघन कर सार्वजनिक साधारण बीमा कंपनियों के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं।

सिंधिया ने किया एनएमडीसी के नए लोगो का अनावरण

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक (आयरन ओर प्रोड्युसर) एनएमडीसी ने नई दिल्ली में अपने नए लोगो का अनावरण किया, जो ज़िम्मेदाराना खनन के लिए सीपीएसई के समर्पण की पुष्टि करता है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं स्टील मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस नए लोगो का अनावरण किया।

नया लोगो लगातार दो वित्तीय वर्षों में 40 मिलियन टन का रिकॉर्ड उत्पादन हासिल करने के बाद कंपनी के भावी पैमाने एवं क्षमता को दर्शाता है। स्मार्ट खनन के लिए सशक्त डिजिटल योजनाओं के साथ एनएमडीसी, एनएमडीसी 2.0 में प्रवेश करते हुए अपनी प्रमुख विज़ुअल पहचान को नया आयाम दे रही है।

इस अवसर पर श्री सिंधिया ने कहा, ''आज एनडीसी के नए लोगो का अनावरण हुआ है, यह अवसर मुझे भारत की उल्लेखनीय यात्रा की याद दिलाता है, जब हमने आज़ादी के बाद बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम कर आत्मनिर्भर बनने के प्रयास शुरू किए। आज सही मायनों में भारत अपने खुद के विकास का ज़िम्मेदार हितधारक बन गया है। इस बदलावकारी यात्रा के दौरान एनएमडीसी ने देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और 40 मिलियन टन के सालाना आउटपुट के साथ भारत के लौह अयस्क उत्पादन में तकरीबन 16 फीसदी योगदान दिया है।''

उन्होंने कहा, ''यह नया लोगो सिर्फ एक विज़ुअल बदलाव से कहीं बढ़कर है, इसमें भारत को स्थायित्व के पथ पर अग्रसर करने की दिशा में एनएमडीसी की भूमिका का सार निहित है। प्रकृति को महत्व देते हुए, एनएमडीसी सद्भाव एवं ज़िम्मेदारी के साथ अपने संचालन को अंजाम देती है। इस खास मौके पर मैं

एनएमडीसी की टीम को बधाई देना चाहता हूं। स्थायित्व के ये प्रयास आने वाले सालों में कंपनी के पथ को नई परिभाषा देंगे।''

इस अवसर पर स्टील सचिव नागेन्द्र नाथ सिन्हा ने कहा, ''आज का दिन बेहद खास है क्योंकि एनएमडीसी ने अपने ओद्यौगिक संचालन के दायरे से आगे बढ़कर प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखते हुए एक बदलावकारी यात्रा की शुरूआत की है। अपने इस दृष्टिकोण के साथ एनएमडीसी राष्ट्रीय स्टील नीति 2030 के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही भारत के आर्थिक विकास में भी उल्लेखनीय योगदान दे रही है। स्थायित्व के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि 2017 के बाद से इसकी स्थायित्व रिपोर्ट्स के प्रकाशन से होती है, जिसे तय विनियमों से पहले ही शुरू कर दिया गया। मुझे विश्वास है कि एनएमडीसी भविष्य में भी पर्यावरण स्थायित्व की दिशा में अपने सजग प्रयासों को जारी रखेगी। इस प्रेरक पथ पर बढ़ने तथा हरित एवं अधिक महत्वाकांक्षी भविष्य हेतु नए मानक स्थापित करने के लिए एनएमडीसी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।''

एनएमडीसी के सीएमडी अमिताव मुखर्जी ने एनएमडीसी की नई पहचान पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''हमारा यह नया लोगो एमएमडीसी के एनएमडीसी 2.0 दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति करता है। अपनी धरोहर को बनाए रखते हुए हमने खनिजों के खनन चक्र में ब्लू कॉग को बरक़रार रखा है, जो पिछले दशकों में हमारे द्वारा अर्जित किए गए भरोसे का प्रतीक है। हमारी धरोहर मजबूत है और हम इसे गर्व के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। लोगो के बीचों-बीच धरती को झुलाता एक हाथ दिखाई देगा, जो स्थायी एवं ज़िम्मेदाराना खनन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी तरह जीवंत हरा रंग विकास, नवीनीकरण तथा प्रकृति के साथ तालमेल का प्रतीक है। भविष्य की ओर बढ़ते हुए हमने इस धरती को हरित एवं स्वच्छ बनाने का लक्ष्य तय किया है, जिसमें हमारे सभी हितधारक- हमारे उपभोक्ता, शेयरधारक, कर्मचारी, स्थानीय समुदाय, सरकार, समाज और पर्यावरण ज़िम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाएंगे।''

एनएमडीसी का नया लोगो एनएमडीसी की पिछली उपलब्धियों, मौजूदा प्रतिबद्धताओं और भावी महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है। यह इनोवेशन और स्थायित्व से प्रेरित कंपनी के सशक्त भविष्य की अभिव्यक्ति करता है। एनएमडीसी आने वाले कल की चुनौतियों का सामना करने तथा खनन उद्योग में नए बेंचमार्क स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वेनेजुएला की कार्यकारी उप राष्ट्रपति ने की धनखड़ से मुलाकात

नई दिल्ली। वेनेजुएला की कार्यकारी उप राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिग्ज ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और आपसी हितों के

मुद्दों पर विचार विमर्श किया।

उप राष्ट्रपति सचिवालय ने यहां बताया कि श्री धनखड़ और सुश्री रोड्रिग्ज की मुलाकात उप राष्ट्रपति निवास पर हुई।

दोनों नेताओं की बातचीत भारत तथा वेनेजुएला के सौहार्द पूर्ण रिश्तों को और सुदृढ़ करने पर केंद्रित रही।

दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार, आर्थिक संबंधों और आम जनता के आपसी संपर्क को मजबूत करने पर जोर दिया।

नोएडा में पॉश सोसायटी की लिफ्ट टूटने से महिला की मौत, एओए के अध्यक्ष को पुलिस ने लिया हिरासत में

नोएडा । थाना सेक्टर 142 क्षेत्र के सेक्टर 137 स्थित पारस टेयरा सोसाइटी में एक टावर की लिफ्ट की तार टूट गई। लिफ्ट ऊपर से नीचे गिर गई। लिफ्ट में अकेले जा रही 72 वर्षीय महिला इस घटना में मूर्छित हो गई। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद सोसाइटी के निवासियों ने अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) के अध्यक्ष के खिलाफ जमकर हंगामा किया। पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर थाने आई। वहां पर एओए के अध्यक्ष की तबीयत खराब हो गई। पुलिस एओए के अध्यक्ष को अस्पताल में भर्ती कराने जा रही थी तो सोसाइटी वालों ने पुलिस की गाड़ी को थाने पर रोक लिया। पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर वहां से हटाया तथा अध्यक्ष को अस्पताल में भर्ती करवाया।

पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) अनिल कुमार यादव ने बताया कि श्रीमती सुशीला देवी 72 वर्ष पत्नी देवीदयाल जोकि पारस टेयरा सोसाइटी में रहती हैं। बृहस्पतिवार की शाम को वह अपने टावर की लिफ्ट में सवार होकर ऊपर से नीचे आ रही थी। इसी बीच लिफ्ट की तार टूट गई, तथा लिफ्ट तेजी से नीचे आ गिरी। इस घटना में लिफ्ट में सवार महिला मूर्छित हो गई। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए फेलिक्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी ने बताया कि इस घटना के बाद सोसाइटी के लोग दो पक्ष में बंट गए। कुछ लोग एओए के अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। उन्होंने बताया कि निवासियों का आरोप है कि एओए के अध्यक्ष की लापरवाही के चलते यह घटना हुई है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने एओए के अध्यक्ष को हिरासत में ले लिया तथा थाने लाई। वहां पर सोसाइटी के काफी लोग पहुंच गए। इसी बीच अध्यक्ष की तबीयत खराब हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती करवाने के लिए पुलिस लेकर जाने लगी तो सोसायटी वासियों ने पुलिस की जीप को रोक लिया। उन्होंने बताया कि उन्हें समझा-बुझाकर वहां से हटाया गया, तथा एओए के अध्यक्ष को अस्पताल में भर्ती करवाया गया।डीसीपी ने बताया कि सोसायटी वासियों को समझा-बुझाकर घर भेज दिया गया है। मृतक महिला के परिजनों ने सोसाइटी के एओए के पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत की है।

केन्द्र और राज्य की कृषि मंत्रियों की संयुक्त बैठक में पराली जलाने के मामलों को कम करने का अनुरोध

नई दिल्ली। आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा केन्द्र और राज्य के कृषि मंत्रियों की संयुक्त बैठक में दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने पराली जलाने के मामलों को कम करने का अनुरोध किया। बैठक में पराली प्रबंधन हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया की दिल्ली में ठंड के मौसम में बढ़ने वाले प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए केजरीवाल सरकार हर साल विभिन्न बिन्दुओ पर आधारित विंटर एक्शन प्लान बनाती है। ऐसे में ठंड के मौसम के दौरान पराली जलाना भी प्रदूषण को बढ़ाने में एक एहम भूमिका निभाता है। इस समस्या पर समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें इसलिए हमारी सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष धान के खेतो में पूसा बायो डी-कंपोजर का निः शुल्क छिड़काव किया जाता है। जिसका बहुत ही सकारात्मक परिणाम रहा है। इससे पराली गल गई और खेत की उपजाऊ क्षमता में भी बढ़ोतरी देखी गई। लेकिन यह देखा गया है की हमारे पड़ोसी राज्यों से भी पराली जलाने के काफी मामले सामने आते है, जिसके कारण ठण्ड के मौसम में दिल्ली के अंदर प्रदुषण की समस्या काफी हद तक बढ़ जाती है। विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों के मौसम में केजरीवाल सरकार द्वारा लागू किए गए विंटर एक्शन प्लान के परिणामस्वरूप दिल्ली में पीएम 10 और पीएम 2.5 की मौजूदगी में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली के एक्यूआई में सबसे खतरनाक श्रेणी के दिनों की संख्या में 2016 से 2022 के बीच गिरावट दर्ज की गई है, जो की 2016 में जहाँ 26 थी अब वह 2022 में घटकर केवल 6 रह गई है। यह दशार्ता है कि दिल्ली के अंदर जो लगातार कदम उठाए जा रहे हैं, उससे पिछले 8 सालो में प्रदुषण स्तरमें 30 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने बताया की बैठक के दौरान माननीय मंत्रियो एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियो के साथ किसानो की एक और महत्वपूर्ण समस्या पर चर्चा की गई। यह देखा गया है की किसानों के सामने एक समस्या यह भी रहती है कि धान की फसल की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच में समय अंतराल कम होता है। इसलिए विभिन्न राज्य सरकारों को यह सलाह दी गई की वह समय रहते पूसा बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करे, ताकि सारी कवायद में देरी भी न हो और किसानों को बेहतर परिणाम भी मिल सकें। इसी कारण आज इस महत्वपूर्ण बैठक के जरिये पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के माननीय कृषि मंत्रियो के साथ एक संयुक्त कार्ययोजना बनाने पर चर्चा की है ताकि दिल्ली के साथ साथ बाकी राज्यों में पराली प्रबंधन सही मायने में किया जा सके। इस साल भी पराली प्रबंधन हेतु विभिन्न कार्ययोजना के तहत किया जाएगा कार्य : विकास मंत्री गोपाल राय ने पराली प्रबंधन हेतु केजरीवाल सरकार की इस वर्ष की कार्ययोजना पर रोशनी डालते हुए बताया की ठण्ड के मौसम में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार हर मुमकिन कदम उठाती है। इसी के चलते इस वर्ष भी दिल्ली सरकार विभिन्न कार्ययोजना को लागू करेगी ताकि दिल्ली के अंदर पराली से होने वाले प्रदूषण को रोका जा सके। -इस वर्ष दिल्ली में पुसा बायोडिकम्पोजर के घोल का छिड़काव लगभग 5000 एकड़ से अधिक खेतों में किया जाएगा - किसानों को जागरूक करने के लिए 50 प्रशिक्षण शिविरों तथा 50 पराली से संबंधित कृषि मशीनरी की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा -संबंधित क्षेत्र में सभी मुख्य जगहों पर लगभग 2500 बड़े होडिंग लगाए जाएंगे। इनमे पराली के संदर्भ में किसानों को जागरूक करने के लिए जानकारियां रहेंगी। पिछले तीन वर्षो से केजरीवाल सरकार द्वारा किया जा रहा है पराली प्रबंधन हेतु बायोडिकम्पोजर का छिड़काव : विकास मंत्री गोपाल राय ने बताया की केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली में पराली प्रबंधन हेतु बायोडिकम्पोजर का छिड़काव पिछले तीन वर्षों से किया जा रहा है। जिसके तहत पहले 2020-2021 में 2000 एकड़, दूसरे वर्ष 2021- 22 में 4000 एकड़ तथा तीसरे 2022-23 में 4329 एकड़ धान के खेतों में बायोडिकम्पोजर का छिड़काव किया गया है। इसके साथ ही पराली प्रबंधन हेतु किसानों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है और सभी क्षेत्रों में पोस्टरों द्वारा किसानों को जागरूक करने का कार्य भी किया जाता है। श्री राय ने बताया की दिल्ली सरकार द्वारा आगामी दिनों में पराली जलाने की समस्या को केंद्र बिंदु बनाकर काम किया जाएगा। इसके साथ साथ ही पड़ोसी राज्यों की सरकारों से अपील करेंगे की वह हमारे साथ सहयोग करे और प्रदूषण विरोधी उपाय अपनाये ताकि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक संयुक्त कार्य किया जा सके। और केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर भारत को प्रदूषण से मुक्ति मिल सकें।

संक्षिप्त डायरी

भारतीय किसान संगठन के लाईनपार क्षेत्र के युवा अध्यक्ष बने सचिन शर्मा

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। दिनांक 4-08-2023 में भारतीय किसान संगठन के गाजियाबाद जिलाध्यक्ष लोकेश नागर जी द्वारा सचिन शर्मा जी को लाईनपार क्षेत्र युवा अध्यक्ष के पद का भार सौंपा गया है जिसमें राजेश यादव जी मेरठ मंडल सचिव, अजय यादव जी हापुड़ जिलाध्यक्ष, मनोज चौधरी जी नगर अध्यक्ष, मनोज यादव जी जिला उपाध्यक्ष, गुडडू पंडित जी महानगर अध्यक्ष नौएडा, श्री हरिराम शर्मा जी, श्री श्यामलाल शर्मा जी, श्री विरेंद्र यादव जी ग्राम अध्यक्ष आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति रहीं ।

मौसम ने ली करवट तो अस्पताल में मरीजों की बढ़ी संख्या, डॉक्टर ने बताए बचाव के तरीके

नोएडा, । मौसम बदलने के साथ ही बीमारियों ने भी दस्तक देना शुरू कर दिया है. पहले तेज बारिश और अब उमस भरी तेज गर्मी के बाद लोग तरह-तरह की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं. वहीं अस्पतालों की स्थिति देखी जाए तो वहां मरीजों की संख्या सैकड़ों से हजारों पहुंच गई है. नोएडा स्थित जिला अस्पताल में ही कई हजार मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जिसमें से अधिकतर वायरल फीवर, आई फ्लू और डेंगू के मरीज हैं. इस बारें में जिला अस्पताल की चीफ मेडिकल सुप्रिटेंडेंट (सीएमएस) डॉ. रेनु अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में सामने आ रही बीमारियों से निपटने की तैयारी पूरी कर ली गई है. अगर प्राथमिक उपचार से मरीज की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है तो उसे तत्काल भर्ती किया जा रहा है. बारिश के मौसम के बाद ज्यादातर लोग लापरवाही के चलते बीमार पड़ रहे हैं. इसलिए लोगों को ऐतिहाद बरतना बेहद जरूरी है, खासकर आई फ्लू को लेकर.उन्होंने बताया कि मौसम बदलने के कारण नोएडा के सरकारी अस्पताल में रोजाना करीब तीन हजार मरीज पहुंच रहे हैं. इसमें दो से ढाई सौ मरीज आई फ्लू के आ रहे हैं. वहीं वायरल फीवर के करीब चार से पांच सौ मरीज रोज अस्पताल पहुंच रहे हैं. अभी तक यहां 64 लोगों में डेंगू की पुष्टि की गई है, जिनका इलाज चल रहा है. उधर स्वास्थ्य विभाग की 10 टीम पूरे जिले में डेंगू को लेकर जागरूकता फैला रही है. डॉ. रेनू अग्रवाल ने कहा, जिन लोगों को आई फ्लू की शिकायत है उनको चाहिए की घर से कम निकलें. साथ ही उन्हें आंखों को छूने के लिए कॉटन या टिशू पेपर का प्रयोग करना चाहिए और बिना हाथ धोए आंखों को न छूएं. उन्होंने बताया कि मौसम में बदलाव के चलते वायरल फीवर के मरीजों की संख्या बढ़ी है. इसमें गंभीर स्थिति वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया जा रहा है. वर्तमान में लोगों को मौसम से जुड़ी कोई भी बिमारी होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. ऐसे लोगों का खुद की मर्जी से दवा खाना उनके शरीर पर गलत प्रभाव डाल सकता है.।

डूब क्षेत्र के बिजली कनेक्शन जोड़ने मांग

नोएडा, । हिंडन के बढ़ते जलस्तर के चलते चोटपुर, छिजारसी और बहलोलपुर समेत अन्य गांवों की कच्ची कॉलोनियों में पानी घुसने के बाद इनकी बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। अब इनके रहने वाले लोग कनेक्शन को पुनः जोड़ने की मांग कर रहे हैं। लोगों का तर्क था कि हिंडन का जलस्तर कम हो गया है। लोग भी अपने मकानों में रह रहे हैं। वहीं मुख्य अभियंता ने सर्वे करवाने के बाद जल्द कनेक्शन जुड़वाने का आश्वासन दिया है।

फ्लैट तलाश रहे युवक से ठगी

नोएडा। साइबर अपराधी ने सेक्टर-72 निवासी युवक को किराये पर फ्लैट दिलाने का झांसा देकर उससे एक लाख 15 हजार रुपये हड़प लिए। आरोपी ने पीड़ित के फोन में एक लिंक भेजकर जालसाजी की। युवक की शिकायत पर सेक्टर-113 पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-113 थाने में गौरव जोशी ने शिकायत दी कि वह किराये पर रहने के लिए फ्लैट तलाश कर रहे थे। उनको एक वेबसाइट से एक फोन नंबर मिला, जिस पर उन्होंने कॉल की। कॉल उठाने वाले ने उनको फ्लैट दिलाने की बात कही। उसने उनके मोबाइल में कई फ्लैट के वीडियो भेजे, जिसमें से एक उनको पसंद आ गया। इसके बाद उसने एडवांस रुपये की मांग की और उनको एक लिंक भेजा।

34 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया

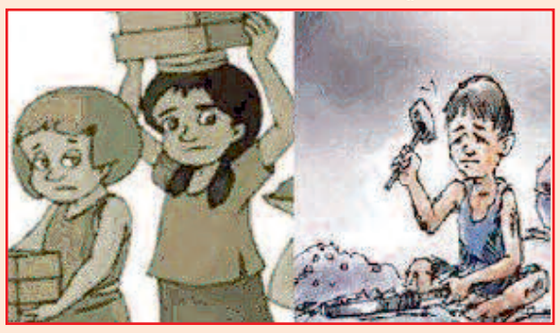

ग्रेटर नोएडा। श्रम विभाग ने शहर में अभियान चलाकर 34 बच्चों को बाल श्रम से मुक्ति दिलाई। श्रम विभाग, चाइल्ड लाइन और एएचटीयू की संयुक्त टीम ने शहर में चिहांकन ऑटो मोटर्स, ढाबे, रेस्त्रां वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में छापेमारी की। इस बीच इन प्रतिष्ठानों पर टीम को 34 बच्चे बाल श्रम करते पाए गए। उन सभी को मुक्त कराया गया। वहीं, प्रतिष्ठान के संचालकों को कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

ट्रैक्टर से कुचलकर बहन की मौत, चचेरा भाई घायल

नोएडा। सेक्टर-51 के होशियारपुर गांव की लालबत्ती के पास गुरुवार सुबह ट्रैक्टर- ट्रॉली चालक ने पैदल सड़क पार कर रहे भाई-बहन को कुचल दिया। हादसे में युवती की मौत हो गई और उसका चचेरे भाई गंभीर से घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद आरोपी चालक भाग गया। सेक्टर-49 पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि होशियारपुर में किराए के मकान में रहने वाले वाली 19 वर्षीय तनुजा अपने चचेरे भाई पवन सिंह मेहरा के साथ सुबह आठ बजे पैदल किसी कंपनी में इंटरव्यू देने जा रही थी। इसी दौरान सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही ट्रैक्टर-ट्राली ने सेक्टर-51 की लालबत्ती के पास दोनों को कुचल दिया।

महिलाओं के लिए प्रेम, आस्था और सौभाग्य का प्रतीक हैं हरियाली तीज का त्यौहार : राजेश खुराना

संस्कार उजाला

आगरा। अगस्त माह की शुरूआत हो चुकी है। व्रत-त्यौहार के लिहाज से यह महीना काफी महत्वपूर्ण है। अगस्त मास की शुरूआत अधिकमास पूर्णिमा के साथ हुई है। इसी महीने में हरियाली तीज, नाग पंचमी और रक्षाबंधन जैसे बड़े त्यौहार आएंगे। इस संदर्भ में सुप्रशिद्ध एवं लोकप्रिय राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतक व हिन्दू जागरण मंच, ब्रज प्रान्त उ.प्र. के प्रदेश संयोजक व वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना ने सभी देशवासियों को पूरे परिवार सहित हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनायें एवम बधाइयाँ देते हुए अपने वक्तव्य में बताया कि हिंदू धर्म में हर वर्ष, कई ऐसे धार्मिक उत्सव आते हैं जो कि विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित होते हैं। इन उत्सवों के जरिये भगवान की भक्ति तो होती ही है, साथ ही साथ ये उत्सव, महिलाओं के हर्षोल्लास का कारक भी बनते हैं। हरियाली तीज का उत्सव इन्हीं उत्सवों में शामिल है। हरियाली तीज के दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीघार्यु और कुंवारी कन्याएं सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए व्रत रखकर पूजा-पाठ करती हैं। हरियाली तीज प्रत्येक व्रत अपने आप में बेहद खास होता है,लेकिन हरियाली तीज का व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक है। श्रावण मास में पड़ने वाला हरियाली तीज का यह त्यौहार महिलाओं के लिए प्रेम,आस्था और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि सावन के महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाने के कारण से इस तीज को हरियाली तीज के नाम से जाना जाता है।

भारतीय समाज में इस दिन महिलाएं झूले का आनंद लेती हैं। महिलाएं झुंड बनाकर झूला झूलती हैं और हरियाली तीज का आनंद लेती हैं। श्री खुराना ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था। माना जाता है कि शिव शंभु को अपने पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने 107 जन्म लिए थे और फिर 108वें जन्म में कठोर तपस्या और इंतजार के बाद उन्होंने भगवान शंकर को पति के रूप में प्राप्त किया। तब से मान्यता है कि जिस प्रकार माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर इस दिन उन्हें पति रूप में प्राप्त हुए थे, उसी प्रकार इस व्रत को करने वाली महिलाओं को शिव जी और माता पार्वती जी की कृपा से अंखड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद मिलता है। इस दिन व्रत रखने वाली महिलाएं मायके से आए हुए कपड़े पहनती हैं और सोलह श्रृंगार कर, पूजा करती हैं। हरियाली तीज का उत्सव पूरे भक्ति भाव से मनाया जाता हैं और साथ ही इस पर्व की खुशियां एक-दूसरे के साथ मिलकर बांटते हैं। इस पावन अवसर पर हमारी कामना है कि भगवान शिव एवं मां पार्वती आप सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें तथा जीवन में सदैव खुशहाली, उमंग व सुख - समृद्धि बनाएं।

मेवात को नहीं बनने देंगे हिंदुओं का कब्रिस्तान: सुरेन्द्र जैन

2 अगस्त को बजरंग दल का देशव्यापी प्रदर्शन

संस्कार उजाला

नई दिल्ली। हरियाणा के मेवात में कल जो भी हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डा सुरेंद्र जैन ने आज कहा कि श्रावण में प्रतिवर्ष किसी भी सोमवार पर मेवात के अंदर भगवान शंकर का आशीर्वाद लेने के लिए महाभारत कालीन पांच मंदिरों में श्रद्धालु जाते हैं। हरियाणा के मेवात में कल जो भी हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस आतंकी हमले के कारण बजरंग दल के दो कार्यकताओं की निर्मम हत्या हुई है और समाज के दो अन्य व्यक्ति भी बलिदान हुए हैं। विश्व हिंदू परिषद की मांग है कि उन सबके परिवारों को एक - एक करोड़ रुपया दिया जाए और जो घायल हुए हैं उनको 20 लाख रुपया तथा जिनकी गाड़ियां और बसें नष्ट हो गई हैं उनको पूरी तरह क्षति पूर्ति की जाए, जिसकी जिम्मेदारी भी सरकार को लेनी चाहिए। पूरे मेवात क्षेत्र को सील करके कांबिंग कराई जाए और एक एक जिहादी को पकड़कर सख्त से सख्त सजा दिलवाई जाए, तो ही मेवात में चल रहे इस हिंदू विरोधी, राष्ट्र विरोधी आतंक को रोका जा सकता है। कल लगभग 20 25 हजार लोग पहुंचे हुए थे। अभी यात्रा शुरू हुए 15 मिनट भी नहीं हुए कि, उन पर उपद्रवियों ने गोलियां और पत्थर बरसाने तथा आगजनी शुरू कर दी। श्रद्धालुओं ने जब देखा कि परिस्थिति नियंत्रण से बाहर जा रही है, तो पीछे हटने का प्रयास किया, तो देखा पीछे से भी पत्थर बरस रहे हैं। उन पर पेट्रोल बम फेंके गए, बहुत मुश्किल से कुछ लोगों को बचाकर हम नलहड़ महादेव के मंदिर में वापिस लेकर आ सके। कुछ ही देर हुई थी वहां गए हुए कि उस मंदिर के सामने से भी दंगाई आ गये। कारों, बसों और अन्य वाहनों को आग लगानी और जो सामने दिखा उन पर गोलियां बरसनी शुरू हो गई। दो लोगों को गोलियां लगीं। लगभग सारे वाहन जला दिए या तोड़ दिए गए। जब पुलिस आती है तो पुलिस को देखकर उपद्रवी भागते हैं और पहाड़ियों पर चढ़कर तीनों तरफ से मंदिर में शरण लिए हुए महिलाओं, बच्चों और अन्य भक्तों पर गोलियां बरसाना शुरू कर देते है। एक भक्त का बलिदान हो जाता है। कुछ अन्य लोगो को भी गोलियां लगती हैं। बहुत मुश्किल से प्रशासन ने उन पर नियंत्रण किया और उसके बाद वहां से निकाल करके पुलिस लाइन में लेकर आए। लेकिन तब तक यह दृश्य हम देख चुके थे कि पूरा मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया है। चारों तरफ से घेराबंदी हो गई है, जगह जगह यात्री घिरे पड़े हैं। कहीं मंदिरों, तो कहीं पुलिस चौकियों में शरण ली और उन मंदिरों में और चौकियों पर भी हमले किए गए। डा. जैन ने आरोप लगाया कि इस घटना के जिम्मेदार वे लोग हैं जो इन दंगाइयों को भड़काते हैं उनके भड़काने के कारण से ही, मुहर्रम व रामनवमी पर हमले होते हैं। अन्य कितने लोग बलिदान हुए है उनका पता लगाया जा रहा है, प्रशासन से भी इस बारे में सही आंकड़े नहीं मिल पा रहे हैं। घायलों की चिंता और उनके उचित उपचार की व्यवस्था की जा रही है। लेकिन यह गंभीर आत्म विश्लेषण का अवसर है कि कल नूह में डायरेक्ट एक्शन की तरह का वातावरण बना था। मैं उन मोलवियों से भी कहना चाहूंगा जो किसी भी बहाने से भड़काने की कोशिश करते हैं, उसका ही यह दुष्परिणाम दिखाई दिया है। यह उचित नहीं है। यह आत्मघाती प्रवृत्ति है। उन्होंने पूछा कि छोटे - छोटे बच्चों को आगे लाकर तुम आगजनी करवा कर, उनका कैसा भविष्य निर्माण कर रहे हो? वहां आप भले ही मेजोरिटी में होंगे, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप उसको हिंदुओं का कब्रिस्तान बना दोगे? यह दुष्कृत्य किसी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने घोषणा की कि हिंदू धार्मिक यात्रा पर हुए इस क्रूर हमले के विरोध में कल दो अगस्त को सम्पूर्ण देश में, समस्त जिला स्थानों पर इस जिहादी क्रूरता के विरोध में धरने प्रदर्शन किए जाएंगे और जिहाद का पुतला जलाया जाएगा।

सेफ सिटी प्रोजेक्ट 450 लोकेशन पर 1600 कैमरे

नोएडा। बेंगलुरु की तर्ज पर नोएडा ने सेफ सिटी पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत 450 स्थानों का सर्वे प्राधिकरण की टेक्निकल टीम की ओर किया गया। इन स्थानों पर 1600 कैमरे लगाए जाएंगे। जिसके लिए कंपनी का चयन एक सप्ताह में कर लिया जाएगा। ये कंपनी पोल ओर उस पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम करेगी। इस योजना पर करीब 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। नोएडा में आईएसटीएमएस भी है। यहां ये नोएडा में लगे 1046 कैमरे से निगरानी की जा रही है। ये कैमरे चालान और ट्रैफिक विभाग की देखरेख में है। इस पर 24 घंटे की निगरानी ट्रैफिक पुलिस करती है। जबकि सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत लगाए जाने वाले कैमरे पूरी तरह से पुलिस के कमांड में रहेंगे। इसके लिए अलग से कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। जहां से इन कैमरों से निगरानी की जाएगी। जिन स्थानों की सूची पुलिस विभाग की ओर से दी गई है उसमे बाजार, सरकारी व निजी स्कूलों व ब्लैक स्पाट और भीड़ भाड़ वाले इलाके मेट्रो स्टेशन , बस स्टैंड , मॉल्स के बाहर स्थान शामिल है। सेफ सिटी परियोजना के तहत गौतमबुद्ध नगर को जो हिस्सों में बांटा गया है। पहला नोएडा और दूसरा ग्रेटरनोएडा। यानी सीसीटीवी कैमरों का पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर दोनों प्राधिकरण (नोएडा प्राधिकरण और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण) बनाएंगे। और इसका संचालन पुलिस विभाग की ओर से किया जाएगा। ये कैमरे आईएसटीएमएस की बजाए सेफ सिटी के तहत लगाए जाएंगे। इनका वाहनों के चालान से कोई संबंध नहीं होगा। हालांकि सुरक्षा के तहत वाहनों की नंबर प्लेट व उसमें बैठे लोग भी साफ तौर पर कैमरों में नजर आएंगे। जिन जगह कैमरे लगाए जाएंगे उनमें अधिकतर हिस्सा शहरी क्षेत्र ही है। योजना के तहत फेस डिडक्शन कैमरे लगाए जाएंगे। बदमाशों का डाटा पुलिस के पास पहले से रहेगा। ऐसे में कोई भी बदमाश यदि इन कैमरों की जद में आता है तो उसकी लाइव लोकेशन और पूरा डाटा कंट्रोल रूम में दिखाई देगा। जिससे उसे आसानी से पकड़ा जा सकेगा। कंपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के बाद इसकी पूरी ट्रेनिंग पुलिस को देगी।

पीएम योजना का मकान तोड़ने के सम्बन्ध में

डीएम को सौपा ज्ञापन

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। बिल्डर के द्वारा गुंडागर्दी से प्रधानमंत्री योजना का मकान बिल्डर और प्रशासन तोड़ने के सम्बन्ध में भारतीय किसान संगठन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। आपको बता दें कि बीते दिनों ग्राम मीठेपुर सजवाननगर तहसील गाजियाबाद में प्रधानमंत्री योजना का मकान था जो बिल्डर और प्रशासन मिलकर तोड़ दिया गया था। गाजियाबाद में बिल्डर की खुली गुंडागर्दी प्रशासन की सैर पर चल रही है। गरीबों के घर को उजाड़ रहे हैं। इसमें भारतीय किसान संगठन के पदाधिकारी मिलकर विरोध करेंगे। एसडीएम गाजियाबाद से भी मुलाकात की और विजय नगर एसो से भी मुलाकात किए। सभी भारतीय किसान संगठन के पदाधिकारियों ने मुलाकात कर यथास्थिति बनाए रखने का अनुरोध किया। मौके पर मौजूद भारतीय किसान संगठन के जिला अध्यक्ष एवं मेरठ मंडल प्रभारी लोकेश नागर, जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव, जिला कोषाध्यक्ष राजेश यादव, नगर अध्यक्ष मनोज चौधरी, हापुड़ जिला अध्यक्ष अजय यादव नोएडा महानगर अध्यक्ष गुड्डू पंडित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएसपी के नेतृत्व में जिला पुलिस ने कनीना क्षेत्र में निकाला फ्लैग मार्च

कनीना। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कर्मचारियों ने डीएसपी मोहिंद्र सिंह के नेतृत्व में भोजावास व शहर कनीना व अन्य जगहों पर फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान उनके साथ थाना शहर कनीना और थाना सदर कनीना प्रबंधक भी मौजूद रहे। उन्होंने आमजन से अपील की कि क्षेत्र में भाईचारा व शांति व्यवस्था बनाए रखें, कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। शरारती तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। डीएसपी ने कहा कि किसी भी तरह की अमर्यादित भाषा, किसी व्यक्ति विशेष, जाति, धर्म संप्रदाय को आहत करने की मंशा से पोस्ट के रूप में कोई भी वीडियो, फोटो या अभिलेख ना डालें। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी प्रकार की भी कोई गलत अफवाह ना फैलाएं।

डीएसपी ने कहा कि लोगों से यही अपील है कि समाज में आपसी भाईचारा बनाकर रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग सहयोग, आपसी भाईचारे व सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए ही करें। गलत काम करने वालों और शरारती तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत संबंधित थाना या डायल 112 पर इसकी सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

दूसरी बार जजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने सुभाष गुप्ता

तरावड़ी। तरावड़ी शहर के उद्योगपत्ति एवं गर्ग राईस इंडस्ट्रीज के सी.एम.डी. सुभाष गुप्ता को फिर से जजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेवारी मिली। उन्हें यह जिम्मेवारी उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी राजेश भाटिया एवं प्रदेशाध्यक्ष सुरेश मित्तल ने दी। गर्ग राईस इंडस्ट्रीज के सी.एम.डी. सुभाष गुप्ता ने जजपा व्यापार प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के शीर्ष नेताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेवारी उन्हे दूसरी बार सौंपी गई है, वह उस पर खरा उतरेंगे। पार्टी की नीतियों को आमजन के साथ-साथ व्यापारियों के बीच पहुंचाया जाऐगा। इसके अलावा व्यापारी वर्ग को पार्टी के साथ जोड़कर जननायक जनता पार्टी को ओर ज्यादा मजबूत किया जाऐगा। जजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने नई नियुक्ति होने के बाद हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, अजय चौटाला, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष निशान सिंह के अलावा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी राजेश भाटिया, प्रदेशाध्यक्ष सुरेश मित्तल का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह पूरी ईमानदारी से पार्टी के लिए कार्य करेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी की नीतियों का जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जाऐगा।

गुग्गा पीर मेला 25 को

पिहोवा। सांपों के देवता माने जाने वाले गुग्गा पीर का वार्षिक मेला 25 अगस्त को लगेगा। इस बारे जानकारी देते हुए गुग्गा पीर निर्माण कमेटी के प्रधान धर्मवीर अत्री ने बताया कि आज मेले की शुरुआत करते हुए गुग्गा पीर मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे मे साधु-संतों सहित सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर हवन-यज्ञ भी किया गया। उन्होंने बताया कि गोगा पीर अधिक मास लौंद के महीने को नहीं मानते। उसी परम्परा के अनुसार इस बार गुग्गा पीर का वार्षिक मेला 25 अगस्त को लगेगा। 9 अगस्त को कृष्ण पक्ष की अंधेरी नवमी का पूजन किया जाएगा। इस मौके पर भागा राम, जीवन सिंगला, अनिल मल्होत्रा, सतीश सेंगर, जयभगवान, मामचंद ठाकुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हरियाणा सरकार ने नूंह के एसपी को हटाया, हिंसा के दिन छुट्टी पर थे

आईपीएस नरेंद्र बिजारणिया को सौंपी जिम्मेदारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने देर रात हिंसा प्रभावित नूंह के पुलिस अधीक्षक वरुण सिंघला को हटा दिया। उन्हें अब भिवानी जिले का चार्ज दिया गया है। सरकार की और से जारी ट्रांसफर ऑर्डर में अब उनके स्थान पर नूंह का जिम्मा नरेंद्र बिजारणिया को दिया गया है। बिजारणिया 2015 बैच के IPS हैं। अभी वह भिवानी के SP के साथ ही एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के OSD की भी जिम्मेदारी संभाल रहे थे। नूंह हिंसा के दौरान वरुण सिंघला छुट्टी पर गए थे, उनके स्थान पर IPS लोकेंद्र को चार्ज दिया गया था। इसके बाद जब हिंसा हुई तो नरेंद्र बिजारणिया को भेजा गया। अब सिंघला जब वापस आए तो उनका ट्रांसफर भिवानी कर बिजारणिया को नूंह SP का चार्ज सरकार ने दिया है।

हरियाणा के 21 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट, 2 जिलों के लिए चेतावनी

चंडीगढ़। हरियाणा के 21 जिलों में बारिश को लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। दो जिलों यमुनानगर और रेवाड़ी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। यहां मौसम विभाग ने 115.1 रूबारिश होने का विभाग ने अनुमान लगाया है। वहीं अब तक बाढ़ से प्रभावित 606 गांव और 33 शहरों में बीमारी को लेकर हालात ज्यादा खराब हो गए हैं। यहां बीमारी के विभिन्न कारणों से 22 की मौत हो चुकी है, 45 हजार से ज्यादा लोग विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ गए हैं।

इन जिलों में यलो अलर्ट–हरियाणा के जिन जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है उनमें पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर, गुरुग्राम, मेवात, पलवल, फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत, पानीपत, फतेहाबाद, हिसार, जींद, भिवानी, चरखीदादरी शामिल हैं। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान है, यहां अधिकतम 15 एमएम बारिश हो सकती है।

अब तक कितने लोग बीमार–हरियाणा में बाढ़ ग्रस्त इलाकों में बीमार लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। 24 घंटे में 372 लोगों में फीवर की पुष्टि हुई है, अब तक सूबे में 11604 लोग फीवर से पीड़ित हो चुके हैं।64 लोगों को गैस संबंधी शिकायत मिली है, जिनकी संख्या अब तक 2833 पहुंच गई है।स्नेक बाइट के मामले में भी 60 से अधिक आ चुके हैं। 524 लोगों को स्किन संबंधी शिकायत मिली है। बाढ़ ग्रस्त 12 जिलों में अब तक बीमार लोगों की संख्या 45217 पहुंच गई है।

सरकार के ये इंतजाम–हरियाणा सरकार की तरफ से बाढ़ प्रभावित 12 जिलों में हेल्थ कैंप लगाए जा रहे हैं। प्रभावित जिलों के शहरी और ग्रामीण इलाकों में 152 हेल्थ कैंप संचालित किए जा रहे हैं। 6 हजार से अधिक लोगों का यहां प्रतिदिन हेल्थ चेकअप किया जा रहा है। इन कैंपों के जरिए 68 हजार से अधिक ORS के पैकेट्स वितरित किए जा चुके हैं। हेल्थ कैंप में 24 घंटे में 34 लोगों का ऑपरेशन किया गया है।

पिछले एक साल में हरियाणा में विभिन्न कार्यक्रम करवाएं गए : अमित अग्रवाल

नारनौल। देश में आजादी के अमृत महोत्सव की गूंज के दौरान शहीदों के सम्मान में एक खास अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान में राज्य की विशेष भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आज हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के सभी उपायुक्त के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक अमित अग्रवाल ने बिंदुवार इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। अग्रवाल ने कहा कि पिछले वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत हरियाणा में हर घर झंडा लहराकर आजादी का जश्न मनाया था। पिछले एक साल में हरियाणा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाए गए हैं। इस बार देश में वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए मेरी माटी, मेरा देश माटी को नमन वीरों का वंदन अभियान शुरू होगा। देश की मिट्टी हम सब को एक धागे में पिरोने का काम करती है। इस अभियान के तहत देशभर में हमारे अमर बलिदानियों की याद में अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में नागरिकों को 5 प्रण लेने हैं। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों को भी बुलाया जाए।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव ने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराया जाएगा ताकि लोगों में राष्ट्रीयता की भावना इसी प्रकार जागृत रहे। इसके लिए नागरिक सभी राशन डिपो की दुकान से झंडे खरीद सकते हैं। इस दौरान सभी सरकारी भवन दफ्तरों पर तिरंगा फहराया जाएगा। लोगों की सहभागिता से हर घर-हर मुंडेर पर झंडा लगेगा।

उन्होंने बताया कि मेरी माटी मेरा देश' अभियान के तहत प्रदेश में अमृत कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। सभी जिलों में यह कार्यक्रम 9 से 15 अगस्त तक चलाए जाएंगे। इसके लिए राज्य के सभी 143 खंडों से कलश में मिट्टी लेकर युवा कोऑर्डिनेटर दिल्ली में कर्तव्य पथ पर जाएंगे। सबसे पहले ग्राम स्तर पर सभी गांव से कलश में मिट्टी लेकर खंड स्तर पर पहुंचेंगे। इसके बाद इन सभी से खंड स्तर पर ही एक कलश में मिट्टी डालकर युवा कोऑर्डिनेटर कर्तव्य पथ की ओर रवाना होंगे। इस दौरान जिला स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देश के गांव-गांव व कोने-कोने से 7500 कलशों में मिट्टी लेकर ये यात्रा देश की राजधानी दिल्ली में कर्तव्य पथ पर पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक गांव में 75 पौधे लगाए जाएंगे जिससे अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। ये अमृत वाटिका, एक भारत-श्रेष्ठ भारत का भी बहुत ही भव्य प्रतीक बनेगी। देश की इन विभूतियों की स्मृति में ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक अपने गांव की पवित्र मिट्टी को हाथ में लेकर शपथ लेते हुए अपनी सेल्फी को yuva.gov.in पर अपलोड करेंगे। इस दौरान उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने जिला महेंद्रगढ़ में इस संबंध में की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त वैशाली सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सोनीपत में बहू ने तोड़ दी सास की उंगली, मायके वालों के साथ सारा सामान उठाने आई थी

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में पुत्र वधु ने सास से मारपीट कर अपने दोनों बच्चों व सामान लेकर मायके वालों के साथ चली गई। पति-पत्नी में काफी समय से विवाद चल रहा था। सास की शिकायत पर पुलिस ने बहू के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बहालगढ़ निवासी कृष्णा ने थाना बहालगढ़ में दी शिकायत में कहा कि वह IIT में कर्मचारी है। उसका पति नरेश एक्सीडेंट के बाद हाथ पैर व अपाहिज (दिव्यांग) हो चुका है। उनके पास एक लडका दीपक है। उन्होंने बेटे की शादी करीब 10 साल पहले नांगल खुर्द गांव की रितु के साथ की थी। शादी क बाद से ही दीपक व रितु में काफी मनमुटाव चला आ रहा है। दीप व रितु एक लड़के चिराग (9) और लड़की दिवांसी (1) के माता पिता हैं। फिलहाल वे गांव सावरपुर में करीब 5 वर्ष से किराए के मकान पर रहते हैं। जबकि उसका लड़का व पुत्र वधू अपने बच्चों के साथ बहालगढ में रह रहे हैं। कल उसे फोन कर बेटे ने बताया कि रितु अपनी मां शीला व अन्य 6-7 नौजवान लड़कों के साथ आए हुए हैं। वे घर से सारा सामान लेकर जा रहे हैं। कृष्णा ने बताया कि वह सूचना पाकर बेटे के घर पर गई। वहां जाते ही रितु ने उसके हाथ की उंगली मे उंगली डाल कर मरोड दी। इससे एक उंगली टूट गई। इसके बाद रितु की मां शीला व उसके साथ आए लड़कों ने उसके साथ गाली गलौज व धक्का मुक्की की। उनको आसपास के लोगों ने छुड़वा दिया। महिला ने बताया कि इसके बाद वे उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर उसके दोनों पोता व पोती को लेकर चले गए। बेटे दीपक ने उसे नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। पुलिस ने रितु के खिलाफ मारपीट व धमकी की धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

जिला में अगले आदेश तक धारा -144 लागू रहेगी-वीरेन्द्र कुमार दहिया

पानीपत। उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया एवम एसपी अजीत सिंह शेखावत ने वीरवार को लघु सचिवालय में शहर के धर्म प्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों के साथ सर्वधर्म पीस कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर उनसे अपील की कि प्रशासन की ओर से जिला में धारा 144 लगाई गई है इसलिए कहीं भी ज्यादा भीड़ इकट्ठी ना करें और अफवाहों पर ध्यान ना दें। उन्होंने कहां की माननीय सर्वोच्च न्यायालय की ओर से भी दिशा निर्देश दिए गए हैं की किसी भी तरह के दंगा भड़काने वालों और हेट स्पीच देने वालों को फौरी तौर पर गिरफ्तार किया जाएगा। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आपस में इस समय सहयोग करें और समन्वय स्थापित होकर काम करें। उपायुक्त वीरेन्द्र कुमार दहिया ने कहा कि जिला में अगले आदेश तक धारा -144 लागू रहेगी। अगर इलाके में किसी ने समाज में अशांति फैलाने पर तुरंत आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। पानीपत जिला शांतिपूर्ण है जहां सभी धर्मों के लोग मिलजुलकर रहते हैं। पानीपत के नागरिकों ने सदैव ही जिला प्रशासन का सहयोग किया है जो भविष्य में भी अपेक्षित रहेगा। इसलिए इस माहौल को बरकरार रखने की जिम्मेवारी भी सभी समुदाय के लोगों की है। शांतिपूर्ण माहौल में ही आर्थिक विकास की संभावना अधिक रहती है इसलिए समाज की तरक्की के लिए आवश्यक है कि समाज में माहौल शांतिपूर्ण बना रहे इसलिए सभी से अनुरोध है कि समाज में शांति बनाए रखें और अपने साथियों को भी शांति का संदेश देकर प्रशासन के कार्य में सहयोग करें।

पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने कहा कि सभी लोग पुलिस विभाग का सहयोग करें और ज्यादा भीड़-भाड़ ना करें। बैठक में कमेटी की ओर से सभी प्रतिनिधियों ने उपायुक्त विरेंद्र कुमार दहिया और पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत को आश्वस्त करते हुए

कहा कि वे जिला प्रशासन का पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने आमजन से शान्ति व भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने कहा कि लोग घबराएं नही, मिल-जुल कर शान्ति से रहे। असामाजिक तत्वों से दूर रहें और उनके बारे में किसी भी प्रकार की सूचना मिले उसे तुरंत जिला प्रशासन के संज्ञान में लाएं। बैठक में डीएसपी सुरेश सैनी, अमित कादयान, गौरव लिखा, संजय वर्मा, विकास आहूजा, निशांत सोनी, इरफान अली, दर्शन वधावा, सुनील सिंघल, सुरेश कालरा, समालखा से रामनारायण व सुभाष सैनी, नसीम शबरी, धर्मबीर मलिक, सुभाष सैनी, सुरेंद्र मलिक, महमुद इत्यादि उपस्थित रहे।

जीवन में शिक्षा के बराबर दूसरा कोई आभूषण नहीं : देवेंद्र शर्मा

कलायत। एसडीएम देवेंद्र शर्मा ने गांव रामगढ़ पांडवा स्थित आरोही स्कूल का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान उनके साथ बीईओ सुरेश सिंगला एडीसी आफिस से अनिकेत भी मौजूद रहे। एसडीएम करीब एक घंटा तक विद्यालय में रहे इस दौरान उन्होंने हॉस्टल व कक्षाओं में पहुंच कर स्कूल प्रबंधन से बच्चों की पढ़ाई और मिलने वाली सुविधाओं बारे विस्तृत जानकारी ली। बच्चों की पढ़ाई व रहने खाने पीने से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके मौजूद स्टाफ को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। एसडीएम देवेंद्र शर्मा ने कहा कि जीवन में शिक्षा के बराबर दूसरा कोई आभूषण नहीं है। इसे ग्रहण करके विद्यार्थी परिवार व समाज का नाम रोशन कर सकता है तथा अपना व्यक्तित्व सवार सकता है। बच्चों को उच्च लक्ष्य निर्धारित करके वांछित मुकाम हासिल करने के लिए शिक्षा प्राप्त करने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने मौजूद अध्यापकों को निर्देश दिए कि वे समय पर स्कूल में पहुंचें और अच्छे से पढ़ाई करवाएं। भोजन की गुणवत्ता की ओर विशेष ध्यान दिया जाए।

बिजली व कच्चे रास्ते बारे एसडीएम को करवाया अवगत

निरीक्षण के दौरान सरपंच प्रतिनिधि अशोक रामगढ़ ने एसडीएम देवेंद्र शर्मा को अवगत करवाते हुए बताया कि मुख्य सड़क से विद्यालय तक करीब 600 फुट का रास्ता कच्चा है। बरसात के दिनों में छात्र में छात्र छात्राओं को विद्यालय पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। और विद्यालय में बिजली की भी लंबे समय से समस्या है इस पर एसडीएम देवेंद्र शर्मा ने तुरंत संज्ञान लेते हुए बिजली निगम के जेई को मौके पर बुलाया गया और विद्यालय में बिजली व्यवस्था सुचारु करने के निर्देश दिए गए। और रास्ते को जल्द पक्का करने का आश्वासन दिया गया।

संसार में कोई भी शास्वत नहीं होता है-जैन मुनि

करनाल। सारे संसार को मोहित करने वाली यह लक्ष्मी, हम से कांपती हुई दीपक की शिखा के समान नाश होने कली अमावस है। ऐसा देखने हुए जो यह मानता है कि यह लक्ष्मी मेरी है, ऐसा सोचना क्या सूखंता नहीं है। सम्पत्ति का मिलना तो पुण्य का परिणाम हैं। पुण्य भी कुछ काल तक ही रहता है। जिस समय पुण्य समाप्त हो जाता है उस समय लक्ष्मी एक क्षण भी नहीं रहती है। लक्ष्मी को छोडक़र हमें परलोक जाना होगा । सैक्टर 14 सिथत जैन स्थानक में पर्मसभा को संबोधित करते हुए पंडित रत्न मुनि ऊपेंद्र मुनि ने कहा कि यह ज्ञान भी है। अस्थाई है जिस ज्ञान को को माता- पिता, स्त्री, पुत्र तथा कुटुम्ब को छोडक़र जन्मभूमि को त्यागकर, समुन्दरों को लोपकर, दुष्ट अधिकारियो के कटु बचनों को सुनकर बड़ी कठिनाईयों से इकट्ठा किया है और जिसकी रक्षा करने में अनेक उपाय करने पड़े हैं। वह क्या बहुत समय तक नहीं टिकता है। जिस धन के इकट्ठा करने और उसकी रक्षा करने में सागर के समान दुःखों को भोगना पड़ता है। उम्र-वन हो दुदन की एक बूंद भी नहीं मिल सकती। रक्षा करते हुए भी महलक्ष्मी अंत में वियोग का दुःख देकर चली जाती है। मुनि श्री ने

कहा- -सुनो! ह लक्ष्मी- तेरा स्वामी तेरा कितनी सेवा करता है। चाहे कितनी ही भयंकर सर्दी या गर्मी पड़ रही हो तो भी व्यक्ति उसकी कुछ परवाह न करके लक्ष्मी के लिए देश विदेश में घूमता है। सन्दूक और तिजोरियों में यत्न से रख कर तेरी रक्षा करता है। लक्ष्मी के लिए जहां तहां पड़ा रहता है, चोर डाकूओं से बचाए रखने के लिए खुदनीद भी नहीं लेता और काम पडऩे पर अपने प्राणों का भी कालिदान कर देता है। लक्ष्मी के लिए उसका स्वाकी इतने कष्ट उठाता है किन्तु फिर भी यह चंचल तनिक भी स्थिरता नहीं रखती और व ही उसके काम में लगती है। हे निर्दयी लक्ष्मी! क्या उपकार का बदला अपकार द्वारा चुकाना तेरा ही काम है। मुकि श्री उपेन्द्र जी माने कहा- यह शरीर भी अनित्य है। मनुष्य के शरीर का एक रोम भी ऐसा नहीं है, जिसकी जड़ में रोग मौजूद न है। शास्त्रों में लिखा है कि एक एक रोम की जड़ में पौने 2. दो रोम है। शरीर में मौजूद रहने वाले मे रोम विषय- भोगादिक लेवल हो या रोग पैदा करने वाले जन्तुओं का सहयोग पाकर एक दम ही बाहर उमड़ पड़ते हैं। देखिए एक ओर तो रोगों से जनित होता यह शरीर है तथा दूसरी ओर आयु पानी में डाती हुई तरंगों के हत्मान क्षणभंगूर है।

पानीपत के वार्ड तीन से बिजली आंदोलन की शुरुआत

पानीपत। आप के जिला अध्यक्ष राकेश चुघ ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बृहस्पतिवार को वार्ड तीन के तहसील कैंप से पार्टी द्वारा प्रदेशभर में चलाये जाने वाले बिजली आंदोलन की शुरुआत की। वार्ड तीन की कई कालोनियों में कार्यकर्ताओं की कई टीमों ने घर-घर जाकर लोगों को बिजली के बिलों को लेकर अवगत करवाया। उन्होंने कालोनी वासियों को बताया कि दिल्ली व पंजाब में लोगों के घरों के बिजली के बिल जीरो आते हैं और वहां पर बिना किसी कटों के बिजली मिलती है। राकेश चुघ ने बताया कि पार्टी द्वारा पूरे हरियाणा में बिजली आंदोलन चलाया गया है और पानीपत जिला में भी इसकी शुरुआत की गई है, जोकि अगले माह 7 सितंबर तक चलाया जाएगा। आंदोलन के पहले चरण में पानीपत व समालखा के सभी वार्डो और जिला के सभी गांवों में घर-घर जाकर लोगों को बिजली बिलों को लेकर जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर नीलम परणामी, दीपक बगा, शालु परणामी व असद आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एसडीएम अदिति ने ली अधिकारियों की बैठक

घरौंडा। एसडीएम अदिति ने उपमंडल स्तर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को शानदार व उत्साहपूर्ण ढंग से मनाने के लिए वीरवार को अपने कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह देशवासियों के लिए एक गौरवशाली दिन है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह अनाज मंडी घरौंडा में भव्य रूप से मनाया जाएगा, सभी संबंधित विभाग समय रहते अपनी तैयारियां पूरी कर लें और उचित ढंग से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है , इसे मात्र औपचारिकता नहीं बल्कि समर्पित भावना और दिल से मनाना चाहिए। एसडीएम ने बताया कि उपमंडल स्तर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को अनाज मंडी घरौंडा में बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। परेड में पुलिस विभाग की टुकड़ी सहित एन.सी.सी. व अन्य स्कूलों की प्लाटून भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त को नई अनाज मण्डी में ही फाईनल रिहर्सल होगी। उन्होंने निर्देश दिये कि स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चों द्वारा जो भी

कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाए, वे देश भक्ति से ओतप्रोत हो।

एसडीएम ने समारोह स्थल व पूरे शहर में कानून व्यवस्था तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के लिए पुलिस विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। समारोह स्थल पर बेरिकेटिंग की व्यवस्था लोक निर्माण विभाग द्वारा की जाएगी। उन्होंने नगरपालिका के अधिकारी को निर्देश दिए कि समारोह स्थल के अतिरिक्त शहर के सभी वार्डों में भी विशेष तौर पर सफाई करवाई जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि अंतिम रिहर्सल व मुख्य कार्यक्रम के दौरान एम्बुलैंस व चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा रिहर्सल के दिनों में व मुख्य समारोह में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाएगी तथा फायर ब्रिगेड की सेवाएं भी मौजूद रहेगी। बिजली व जनरेटर की व्यवस्था बिजली विभाग द्वारा की जाएगी।

हसनपुर रजवाहा तथा दौचाना रजवाहा से दोहन नदी में लगातार छोड़ा जा रहा पानी

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देश पर सिंचाई विभाग जिला महेंद्रगढ़ में उतरी हरियाणा के अतिरिक्त पानी को लगातार विभिन्न माध्यमों से पहुंचा रहा है। हसनपुर रजवाहा तथा दौचाना रजवाहा से दोहन नदी में छोड़ा जा रहा पानी भूमिगत जल स्तर के सुधार में मील का पत्थर साबित होगा। यह पानी इसी प्रकार अक्टूबर तक लगातार चलेगा।

सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता बिजेंद्र सिंह नारा ने विशेष बातचीत में बताया कि हसनपुर रजवाहा के दाहिनी तरफ से रिचार्ज चैनल के माध्यम से दोहान नदी में 900 मिलीमीटर व्यास के पाइपों के द्वारा नहरी पानी छोड़ा जा रहा है। यह भूमिगत जल स्तर के सुधार में मील का पत्थर साबित हो रहा है और भविष्य में भूमिगत जल स्तर में और भी अधिक सुधार होगा।

इसके अलावा दौचाना रजवाहा पर बने एक्वाडक्ट के माध्यम से दोहान नदी में नहरी पानी छोड़ा जा रहा है जो कि गांव बापडोली के पास बांध में इकट्ठा होता है। यह प्रोजेक्ट भूमिगत जल स्तर के सुधार में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि बरसात के सीजन में उपलब्ध नहरी पानी का भरपूर सदुपयोग करने के लिए दोहान नदी में कच्ची ड्रेन खोदकर गांव नांगल काठा के जोहड़ में नहरी पानी ले जाने का सार्थक प्रयास किया गया है। उम्मीद है कि भविष्य में नारनौल विधानसभा के अंतिम गांव नांगल काठा के भूमिगत जल स्तर में अभूतपूर्व सुधार होगा।

श्री नारा ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार दक्षिण हरियाणा की नदियों में आगामी अक्टूबर तक लगातार पानी डाला जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में

इसी प्रकार नदियों में पानी डालने से जिला में भूमिगत जल स्तर में बहुत बड़ा बदलाव आया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा अब अधिकतर जोहड़ों को पाइप लाइन के जरिए जोड़ दिया गया है। जोहड़ों में भी इसी प्रकार लगातार पानी चलाया जा रहा है। आने वाले समय में इन प्रयासों से भूमिगत जल स्तर में बहुत बड़ा बदलाव आने वाला है।

कान का रखें ध्यान

कान से मवाद बहने को अक्सर लोग गंभीरता से नहीं लेते और घरेलू उपचार को ही तरजीह देते हैं, लेकिन लापरवाही सुनने की शक्ति खत्म कर सकती है...

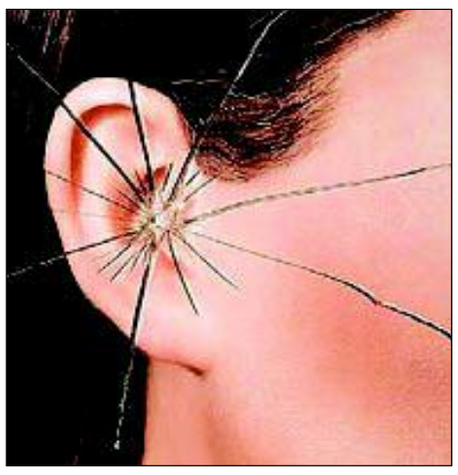

कान में मवाद बहने के कारण कई बार सुनने की ताकत भी कम हो जाती है। कान से मवाद बहने के कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। सर्दी-जुकाम का इंफैक्शन बढ़कर कान तक पहुंच जाता है और तेज दर्द के बाद कान बहना शुरू हो जाता है। यह आमतौर पर छोटे बच्चों में होता है। कई बार मवाद के कारण कान के पर्दे में बना छेद बंद भी हो जाता है।

मिथ

आमतौर पर लोग मानते हैं कि कान से मवाद आना खतरनाक नहीं होता। दादी-नानी के नुस्खों में कान बहने, कान दर्द करने या कान में वैक्स होने पर लहसुन का तेल डालना आम उपाय है। लेकिन तेल डालने से कान के भीतर मौजूद फायदेमंद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं, जबकि फफूंद और ज्यादा पनपने लगती है। फफूंद पूरी तरह साफ किए बगैर कान के ड्रॉप भी असरकारक सिद्ध नहीं होते। इसलिए कान की सफाई बहुत जरूरी है।

खतरनाक हो सकता है

कान में फंगस होने के कारण कान से मवाद आ सकता है। यह बारिश के मौसम में या डायबिटीज के मरीजों में ज्यादा होता है। कान की हड्डी गलने के कारण दुर्गंधयुक्त मवाद आता है। यदि इलाज के बाद भी कान सूखता नहीं है, तो यह बीमारी खतरनाक हो सकती है, क्योंकि हड्डी के गलने से इंफैक्शन दिमाग में फैलने का खतरा रहता है। कान का इंफैक्शन दिमाग में पहुंचने पर जान को खतरा तो बढ़ता ही है, ऑपरेशन भी ज्यादा जटिल हो जाता है और इलाज का खर्च भी कई गुना बढ़ जाता है।

डॉक्टर की सलाह

कान से मवाद बहने संबंधी बीमारियों का सफलतापूर्ण इलाज लगभग हर मरीज में संभव है। कान के पर्दे के छेद को ऑपरेशन द्वारा 90 फीसदी से ज्यादा मरीजों में सफलतापूर्वक बंद किया जा सकता है।

हेल्थ प्लस

विटामिन के

आमतौर पर हैल्दी व्यस्कों में विटामिन के की कमी नहीं होती। नवजात बच्चों में इसकी कमी होने की संभावना होती है। लिवर डिसीज, सिस्टिक फाइब्रोसिस, डायरिया और डायसैंटरी से ग्रस्त व्यक्तियों और जिनकी हाल ही में पेट की सर्जरी हुई हो, उनमें विटामिन के की कमी का खतरा होता है। विटामिन के की कमी के कारण अनीमिया, मसूड़ों या नाक से खून आना, महिलाओं में पीरियड्स के दौरान ब्लीडिंग ज्यादा होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पत्तागोभी, फूलगोभी, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, अनाज, दूध, मीट, मछली इसके बढ़िया स्रोत हैं।

एक्सरसाइज से लंबी उम्र

उम्र बढ़ने के साथ-साथ कई तरह की सेहत संबंधी समस्याएं भी इंसान को घेरने लगती हैं। इसी पुरानी मान्यता को रिसर्च ने नए सिरे से स्थापित करने की कोशिश की है। इसके अनुसार जैसे ही आप युवावस्था पार करते हैं, तब तंदुरुस्ती और लंबी उम्र के लिए अपनी शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें।

स्वीडन की उपसाला यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने 50 साल की उम्र के करीब 2,200 व्यक्तियों की मॉनिटरिंग कर यह नतीजा निकाला। रिसर्च में पता चला कि जिन लोगों ने 50 से 60 की उम्र के बीच अपनी शारीरिक गतिविधियों में बढ़ौतरी कर दी, उनकी उम्र उतनी ही लंबी हो गई, जितनी उन लोगों की थी, जो पहले से ही नियमित रूप से एक्सरसाइज करते आ रहे थे।

इसके आधार पर हैल्थ स्पैशलिस्ट्स ने यह साबित करने की कोशिश की है कि एक्सरसाइज चाहे किसी भी उम्र में शुरू की जाए, वह हमेशा फायदेमंद होती है।

स्टडी में शामिल लोगों को तीन समूहों में बांटा गयाफि जिकली बहुत एक्टिव, थोड़े कम एक्टिव और बेहद कम एक्टिव। स्टडी में शामिल इन लोगों की एक्सरसाइज की आदतों का 60 की उम्र में पहुंचने के बाद आकलन किया गया। टीम ने पाया कि जिन लोगों ने 50 साल की उम्र में हाई लैवल की एक्सरसाइज की, वे 60 की उम्र में बिल्कुल एक्सरसाइज न करने वाले लोगों की तुलना में सवा दो साल और कम एक्सरसाइज करने वालों की तुलना में करीब 13 महीने तक ज्यादा जीवित रहे। रिसर्चर्स ने यह भी नोट किया कि जिन लोगों ने 50 से 60 की उम्र के बीच अपनी शारीरिक गतिविधियों को बढ़ा लिया, वे लंबे समय तक जीवित रहे।

...जब पकाएं भोजन

तंदुरुस्ती के लिए पौष्टिक व संतुलित भोजन जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है भोजन को दूषित होने से बचाना। इसलिए भोजन पकाते समय इन बातों का ध्यान रखें:

- किचन में मक्खियों, कॉक्रोचों, चूहों व कीड़ेम कौड़ों के माध्यम से भी जीवाणु फैलते हैं। इन्हें खत्म करने के पुख्ता इंतजाम करें।
- बर्तन, कटलरी और भोजन पकाने वाली सतह साफ होनी चाहिए और इन्हें साफ करने के लिए इस्तेमाल होने वाला कपड़ा भी रोजाना अच्छी तरह धोएं और धूप में सुखाएं।
- विभिन्न भोजन पकाने के लिए एक ही बर्तन का प्रयोग धोए बगैर न करें।
- फलों व सब्जियों को साफ पानी से अच्छी तरह धोएं। पैस्टीसाइड्स व हर्बीसाइड्स जैसे कैमिकल्स दिखाई तो नहीं देते, पर बहुत हानिकारक होते हैं।
- खाना पकाने से पहले और बाद में साबुन व साफ पानी से हाथ धोएं।
- भोजन पर खांसें या छींकें मत।
- क्रैक बर्तनों का इस्तेमाल न करें।
- कैन खोलने से पहले इसे व ओपनर को धोकर पोंछ लें, ताकि कीटाणु कैन में न चले जाएं।
- यदि भोजन दो घंटे से ज्यादा रखना हो, तो इसे बहुत गर्म या बहुत ठंडा रखना चाहिए और खाने से पहले अच्छी तरह गर्म करना चाहिए।

डाइटिंग जरूरी नहीं

वजन घटाने के लिए डाइटिंग जरूरी नहीं, बल्कि सही वक्त पर उचित मात्रा में न्यूट्रिशस भोजन खाना आवश्यक है। इसलिए आप भरपूर खाएं, लेकिन सही खाना खाएं...

चाय से न करें शुरुआत

दिन की शुरुआत कॉफी या चाय के साथ न करें। कैफीन वाली चीजें बीपी व हार्ट रेट बढ़ाती हैं। हम चाय या कॉफी पीकर नींद खुलने जैसा महसूस करते हैं, उसकी असली वजह हार्ट व ब्रिदिंग रेट का बढ़ना है। सुबह बॉडी रिलैक्स होती है और हार्ट व ब्रिदिंग रेट सबसे कम होता है। इसे रिलैक्स बनाए रखने के लिए वास्तविक खाने की जरूरत होती है। चाय कॉफी से पिछले 9-10 घंटे से भूखे सेल्स को जीरो न्यूट्रिशन मिलता है। इससे भूख मरती है और आप लंबे समय कर बिना महसूस किए भूखे रहते हैं। आप ग्रीन टी पी सकते हैं। यह आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ाती है। रिसर्चर्स मानते हैं कि ग्रीन टी में मौजूद एंटी ऑक्सीडैंट शरीर में जमा फालतू कैलोरीज को बर्न कर देते हैं।

ब्रेकफास्ट जरूर खाएं

ब्रेकफास्ट दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है। सूरज निकलने के साथ मेटाबॉलिज्म पीक पर होता है। इस वक्त सबसे ज्यादा खाने की जरूरत होती है। बहुत-से लोग ब्रेकफास्ट स्किप कर देते हैं, क्योंकि उनके पास या तो समय नहीं होता या उन्हें पारम्परिक ब्रेकफास्ट पसंद नहीं होता। यदि आप लंच तक कुछ नहीं खाते, तो आपके शरीर को लगता है कि आज आपका व्रत है और आपका मेटाबॉलिज्म धीमा कर देता है। यदि आपके पास समय की कमी है, तो आप फल खा सकते हैं। इसके एक घंटे बाद फाइबर युक्त चीजें जैसे, रोटी-सब्जी, स्टफ परांठा, उपमा, इडली, पोहा, दलिया, कॉर्नफ्लैक्स, वेज सैंडविच, पीनट बटर टोस्ट, आदि ले सकते हैं। नाश्ते में हमेशा एक जैसी चीजें न खाएं, बल्कि बदलते रहें। न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट आपको सारा दिन काम करने की शक्ति देता है।

कोई मील न करें स्किप

जब आप लंबे समय तक कुछ नहीं खाते, तो शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, ताकि आपको भूख से बचा सके। इससे बचने के लिए हर दो घंटे में खाएं। रोजाना तीन प्रॉपर मील और बीच में दो स्नैकेस जरूर लें।

जल्दी करें डिनर

डिनर रात में 8 बजे तक कर लेना चाहिए। ऐसा संभव नहीं है, तो भी सोने से दो घंटे पहले जरूर खाना खा लें। शाम पांच बजे के बाद भारी भोजन न लें, क्योंकि रात को बेसिक मेटाबॉलिक रेट काफी कम होता है। अगर देर रात तक जागते हैं और भूख लगती है तो फलों व सब्जियों का सलाद खा सकते हैं।

बिंज ईटिंग को कहें 'न'

बीच-बीच में छुट-पुट खाना सेहत को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाता है। पूरा भोजन खाते वक्त हम ध्यान रखते हैं कि क्या खाएं, क्या न खाएं, लेकिन बीच-बीच में बिस्कुट, नमकीन, ड्राई-फ्रूट्स, कोल्ड ड्रिंक, चाय, कॉफी लेने से शरीर में काफी कैलोरीज जमा हो जाती हैं।

खूब पिएं पानी

दिन में १०-१२ गिलास पानी व तरल पदार्थ लें। पानी न सिर्फ फैट कम करता है, बल्कि शरीर से जहरीले तत्वों को भी निकालता है। यह भूख कम करता है और कब्ज रोकता है। खाने के आधा घंटा बाद घूंट-घूंट कर गर्म पानी पीएं। हमेशा गुनगुने पानी को ही तरजीह दें। भोजन खाने से आधा घंटा पहले एक गिलास पानी, नारियल पानी, जूस, सूप, नींबू-पानी या छाछ पिएं।

रैग्युलर एक्सरसाइज करें

रैग्युलर एक्सरसाइज करना वजन कम करने और सेहतमंद रहने का सबसे बढ़िया और सुरक्षित तरीका है। इस तरह आप बिना किसी साइड इफैक्ट के अपना अतिरिक्त वजन कम कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2906

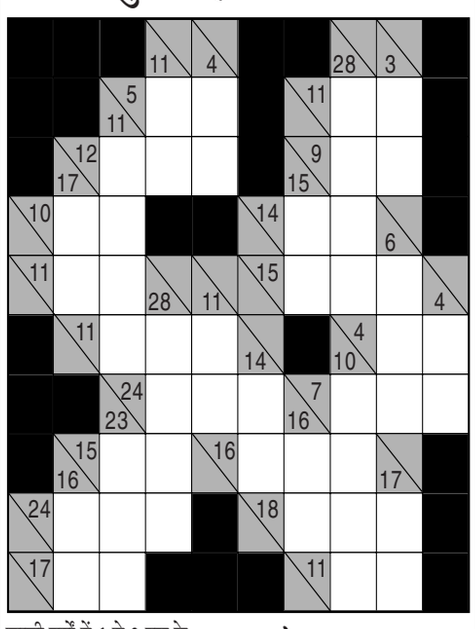

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

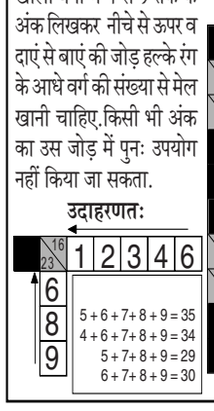

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2905 का हल

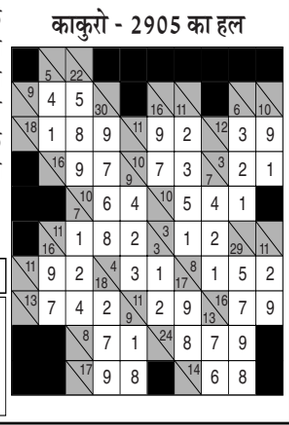

हंसी के फव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली- 2906

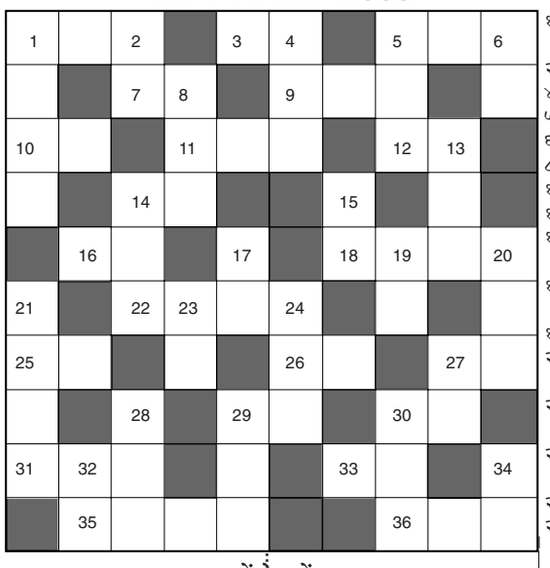

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'यारना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2905

खु	शी		शे		द	ग	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			ग
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		न्ना		गु	स
	क्त		नौ	क	र		आ	न	
गु		ग	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		ग	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	शा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

सूडोकु -2906

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2905 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 2906

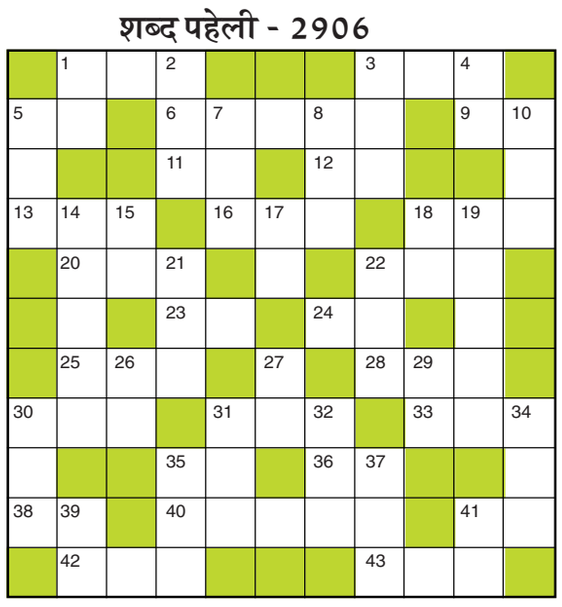

बाएँ से दाएँ

1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला,जाम-2
11. टोंटी,नलका-2
12. आनंद,जूस-2
13. प्रतिज्ञा,शपथ-3
16. सिमरन,सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन,लेखनी-3
22. कमल,जलज-3
23. क्रोध,गुस्सा-2
24. पाश,फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव,प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1. उर्वरक-2
2. विशाल,श्रेष्ठ-3
3. धनवान,संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5. दैत्य,असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार,पार लगाना-3
10. शरण,आश्रय-3
14. चूर-चूर,ढहा-5
15. टोंटी,नलका-2
17. युद्ध,संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र,दोस्त.मीत-2
27. हूर,अप्सरा
29. मेंहदी-2
30. शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर,नैहर-3
34. युक्तिवाद,पैरवी-3
35. टब,परात,तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत,तह-2
41. कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -2905 का हल

क	म	ला	का	र			कु	रा	न	
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	वि	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		या		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	थ		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

आलिया भट्ट ने दीपिका पादुकोण के लुक को किया कॉपी

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया है। इस दौरान वो ओवरसाइज्ड ड्रेस में नजर आईं। लेकिन एक्ट्रेस का ये लुक लोगों को कुछ खास पसंद नहीं आया। लेटेस्ट फोटोज को देखने के बाद लोगों ये कह रहे हैं कि आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण का लुक कॉपी किया है। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा अभिनीत 'कोई मिल गया' जल्द ही अपनी 20वीं सालगिरह मनाएगी। यह फिल्म अपने प्रशंसकों के दिलों में एक खास जगह रखती है। इस विशेष अवसर का जश्न मनाने के लिए, फिल्म निर्माताओं ने 4 अगस्त को 30 शहरों में फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला किया है। साइंस-फिक्शन ड्रामा को युवा और बुजुर्ग दोनों दर्शकों ने खूब सराहा। बॉलीवुड स्टार रानी मुखर्जी मेलबर्न आईएफएफएम के आगामी भारतीय फिल्म महोत्सव में एक अभिनेता के रूप में अपने करियर और जीवन के बारे में विस्तार से बताते हुए एक मास्टरक्लास देंगी। यह विशेष कार्यक्रम फिल्म महोत्सव के 14वें संस्करण से एक दिन पहले 10 अगस्त को होगा। यह विशेष कार्यक्रम फिल्म महोत्सव के 14वें संस्करण से एक दिन पहले 10 अगस्त को होगा। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुखर्जी अपनी कुछ प्रतिष्ठित भूमिकाओं और फिल्मों के बारे में बात करेंगी और एक अभिनेता के रूप में अपनी कला और अनुभवों के बारे में जानकारी साझा करेंगी।

एक्ट्रेस अदा शर्मा हुईं बीमार

द केरल स्टोरी फेम एक्ट्रेस अदा शर्मा को फूड एलर्जी और डायरिया के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया है। वह फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में हैं। एक्ट्रेस को अपकमिंग शो कमांडो के प्रोमोशन्स से ठीक पहले मंगलवार को इमरजेंसी में अस्पताल ले जाया गया। उन्हें डायरिया और फूड एलर्जी का पता चला। सूत्र के मुताबिक वह स्ट्रेस हीव्स और डायरिया से पीड़ित हो गईं। फिलहाल, वह निगरानी में हैं। हालांकि अदा को कमांडो का प्रचार करते देखा गया है जहां वह भावना रेड्डी की भूमिका निभा रही हैं। बता दें कि कमांडो नई एक्शन-थ्रिलर सीरीज जल्द ही आने वाली है, और इसमें एक्ट्रेस अदा के साथ मुख्य भूमिका में एक्टर प्रेम हैं। सीरीज द केरल स्टोरी की सफलता के बाद अदा और विपुल अमृतलाल शाह फिर साथ आए हैं। विपुल ने इस सीरीज का निर्देशन किया है। इसमें वैभव तत्ववादी, श्रेया सिंह चौधरी, अमित सियाल, तिग्मांशु धूलिया, मुकेश छाबड़ा और इश्तेयाक खान भी हैं।

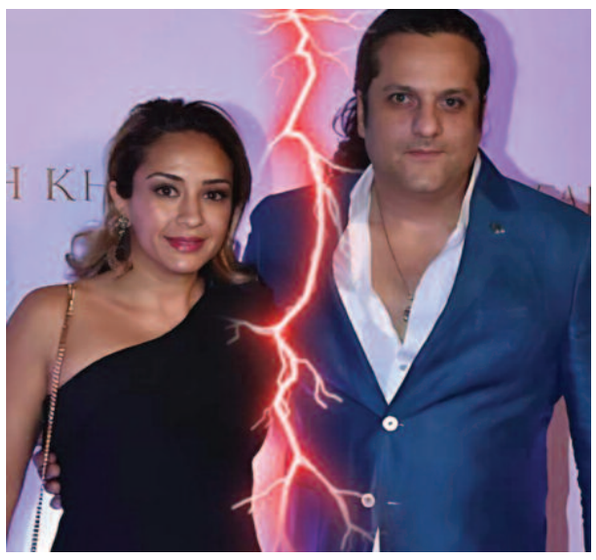

फरदीन और नताशा होंगे अलग-अलग

बालीवुड एक्टर फरदीन खान और उनकी पत्नी नताशा माधवानी में तलाक होने वाला है। फरदीन और नताशा एक साल से ज्यादा समय से अलग रह रहे हैं। एक इंटरव्यू में फरदीन ने कहा था, हम एक परिवार बनाने के लिए बहुत उत्सुक थे, नताशा और मैं, हमारे सामने बच्चे पैदा करने की चुनौतियाँ थीं इसलिए हमें आईवीएफ मार्ग अपनाना पड़ा।

यहाँ मुंबई में डॉक्टरों के साथ हमारा अनुभव बुरा था और नताशा को वास्तव में कष्ट सहना पड़ा, यह शरीर और आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत कठिन है।उन्होंने यह भी कहा था, 2011 में, हम लंदन चले गए, हमें वहां एक बहुत अच्छा डॉक्टर मिला। उनकी शुरुआती गर्भावस्था में से एक में, हमारे जुड़वां बच्चे थे, और उन्होंने छह महीने में उन्हें खो दिया। तो यह बहुत कठिन था हमारे लिए, यह एक कठिन समय था। उसने एक जीवित बच्चे को जन्म दिया, और हमने बच्चों को खो दिया। अंततः हमारी बेटी हुई, उसने हमें बहुत खुशी दी। इसलिए जब आप कुछ इस तरह से गुजरते हैं, तो आप जीवन को और अधिक संजोते हैं गहराई से, इसलिए जब मेरी बेटी का जन्म हुआ तो उसने मुझे खुशी दी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरदीन हॉरर ड्रामा विस्फोट से फिल्मों में वापसी करने के लिए तैयार हैं। फिल्म में रितेश देशमुख, प्रिया बापट और क्रिस्टल डिसूजा भी होंगे। उनके 2005 की हिट फिल्म नो एंट्री के सीक्वल में भी अभिनय करने की खबर है। उन्हें आखिरी बार बड़े पर्दे पर 2010 में दूल्हा मिल गया में देखा गया था। बता दें कि जहां फरदीन अपनी मां के साथ मुंबई में रहते हैं, वहीं नताशा लंदन में हैं। वह दिग्गज अभिनेता मुमताज की बेटी हैं। फरदीन और नताशा दिसंबर 2005 में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों एक बेटी डायनी इसाबेला खान और एक बेटे, अजरियस फरदीन खान के माता-पिता हैं।

भूमि पेडनेकर बोलीं- हर फिल्म में देती हूं अपना 200 प्रतिशत

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपनी जबरदस्त अदाकारी से इंडस्ट्री में एक अलग जगह बनाई है। भूमि ने हमेशा अपने अभिनय और अपने द्वारा निभाए गए हर किरदार में प्रमाणिकता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। भूमि पेडनेकर इंडस्ट्री में सबसे अधिक डिमांड वाली एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

वहीं भूमि पेडनेकर का कहना है वह अपनी हर फिल्म में अपना 200 प्रतिशत देती है। उन्होंने कहा, मैं काम करने की शौकीन हूं। इसलिए, मैं जो भी फिल्म करती हूं, उसमें अपना 200 प्रतिशत देती हूं। अभिनय एक ख़ास पेशा है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

एक्ट्रेस ने कहा, जब भी मैं किसी फिल्म के सेट पर कदम रखती हूं, मैं कृतज्ञता से भर जाती हूं कि मेरा काम मुझे किसी तरीके से अविस्मरणीय बना देगा। मुझे इस तथ्य से प्यार है कि मैं एक अभिनेत्री हूं, जो अपने जीवन का हर पल कुछ ऐसा कुछ बनाने की कोशिश में बिताती हूं जो हमेशा रहे।

भूमि पेडनेकर ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अपनी फिल्मों के जरिए महत्वपूर्ण प्रभाव प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हूं, क्योंकि फिल्में हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। मैं हमेशा से एक ऐसी अभिनेत्री बनना चाहती थी, जिसका मेरी फिल्मों और मेरे द्वारा निभाई गई भूमिकाओं के जरिए सांस्कृतिक प्रभाव पड़े।

भूमि ने कहा, मेरे पास हमेशा ऐसी ही परियोजनाएं होती हैं और मैं ऐसी ही परियोजनाएं चुनुंगी जो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं।' मैं अच्छी तरह से जानती हूं कि मैं अपने काम के जरिए अपने लिए एक विरासत बना रही हूं और मैं स्क्रीन पर जो काम करती हूं उस पर गर्व करना चाहती हूं।

'लाइफ लॉजिक नहीं मैजिक का खेल है', अभिषेक बच्चन की 'घूमर' का दमदार ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की अपकमिंग फिल्म 'घूमर' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो दर्शकों को भावनाओं, प्रेरणा और परिवर्तनकारी कहानी कहने की दुनिया की एक झलक पेश करता है। फिल्म का ट्रेलर पहले 3 अगस्त को रिलीज होने वाला था, लेकिन आर्ट डायरेक्टर नितिन देसाई के निधन के बाद इसे पोस्टपोन कर दिया गया था।

अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर और निर्देशक आर बाल्की की असाधारण प्रतिभाओं से सजी 'घूमर' भारत में स्पोर्ट्स फिल्म्स के परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने का वादा करती है। इस फ़िल्म में अभिषेक बच्चन एक कोच का किरदार निभाते नज़र आ रहे हैं, जिसके जीवन में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है जब वह एक लकवाग्रस्त खिलाड़ी से मिलते है, जिसका किरदार प्रतिभाशाली सैयामी खेर ने निभाया है।

फिल्म में दोनों को सामाजिक चुनौतियों और व्यक्तिगत संघर्षों के खिलाफ सामना करना पड़ता है। जबकि इसका श्रेय निर्देशक आर. बाल्की को जाता है, जो विशिष्ट कहानी कहने की क्षमता प्रदर्शित करने वाले अद्भुत डायरेक्टर हैं।

अभिषेक और सैयामी का शक्तिशाली प्रदर्शन दर्द, दृढ़ संकल्प और आशा के क्षण प्रदान करता है। निर्देशक आर बाल्की की विशिष्ट शैली उनकी कहानियों को सहजता से बुनती है। साथ ही यह फ़िल्म दर्शकों को एक परिवर्तनकारी यात्रा पर जाने के लिए

आमंत्रित करती है, जो पूर्वकल्पित धारणाओं को चुनौती देती है। 'घूमर' में अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा शबाना आज़मी और अंगद बेदी भी फ़िल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं। यह अमिताभ बच्चन की एक कमेंटेटर के रूप में पहली फिल्म है। यह फिल्म शिवेंद्र सिंह और इंवाका दास की भी पहली फिल्म है। फ़िल्म को आर. बाल्की ने डायरेक्ट किया है। वहीं होप प्रोडक्शंस और सरस्वती एंटरटेनमेंट द्वारा इसका निर्माण हुआ है। घूमर 18 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कार्तिक आर्यन बनें चंदू चैंपियन

कार्तिक आर्यन स्टारर कबीर खान के निर्देशन में बन रहीं अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा चंदू चैंपियन ने अपनी घोषणा के बाद से ही लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। ऐसे में जबकि हार न मानने वाली इस असाधारण रियल लाइफ स्टोरी को देखने का उत्साह तेज है, निर्माता ने फिल्म से चंदू बनें कार्तिक आर्यन का पहला लुक रिवील कर दिया है, जिसे देख वास्तव में लोगों को गर्व महसूस होगा। चंदू के रूप में कार्तिक आर्यन का फर्स्ट लुक आखिरकार सामने आ गया है, जिसमें सुपरस्टार को पूरी तरह से किरदार में डूबा हुआ दिखाया गया है। छोटे बाल और भारत का ब्लेज़र पहने कार्तिक ने फिल्म के लिए पहले कभी न देखा गया लुक अपनाया है। इसने वास्तव में फिल्म की रिलीज के लिए उत्साह को एक पायदान ऊपर बढ़ा दिया है। इस फिल्म की शूटिंग कुछ दिनों पहले लंदन में साजिद और वर्धा नाडियाडवाला की मौजूदगी में शुरू हुई है। फिल्म के मुहूर्त शॉट के दौरान कबीर खान और कार्तिक आर्यन के साथ स्पेशल गेस्ट मिनिस्टर ऑफ कल्चर, मीडिया एंड स्पोर्ट्स आरटी माननीय स्टुअर्ट एंड्रयू भी सेट पर मौजूद थे। बता दें, यह कार्तिक और कबीर की पहली और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के साथ दूसरी साझेदारी होगी। यह वास्तव में एक बड़ी घोषणा है क्योंकि इंडस्ट्री के तीन दिग्गज एक खिलाड़ी की असल जिंदगी की दिलचस्प कहानी लाने के लिए एक साथ आए हैं। साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, चंदू चैंपियन का निर्देशन कबीर खान द्वारा किया जा रहा हैं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 14 जुलाई 2024 को रिलीज होगी।

दुलकर सलमान को है पंजाबी संगीत से बेहद प्यार

गायक दुलकर सलमान को पंजाबी संगीत से बेहद प्यार है। गन्स एंड गुलालब्स में अपने काम से एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार स्टार दुलकर सलमान का कहना है कि उन्हें पंजाबी संगीत बहुत पसंद है और वह वर्तमान में रैपर एपी ढिल्लों के ट्रैक पर थिरक रहे हैं। दुलकर ने कहा, मैं सभी प्रकार के फेज से गुजरता हूं। अभी मैं दिल्ली में हूं। मैं वास्तव में एपी ढिल्लों से प्यार करता हूं। मुझे अपने कॉलेज के दिनों से ही पंजाबी संगीत से बहुत प्यार है, जब मैंने पहली बार इसे सुना था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यूरो पंजाबी, पंजाबी पॉप उस समय का है जब मैं 2000 के दशक की शुरुआत में कॉलेज में था, मुझे लगता था कि शायद पिछले जीवन में मैं पंजाबी था। लेकिन इसे सुनना हमेशा अच्छा लगता है। अभिनेता ने आगे कहा कि मैं इससे बहुत आसानी से जुड़ जाता हूं। गौरतलब है कि गन्स एंड गुलाब, राज एंड डीके द्वारा बनाई गई एक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर श्रृंखला है। यह 18 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। सीरीज में राजकुमार राव, आदर्श गौरव और गुलशन देवैया भी हैं। दुलकर सुपरस्टार ममूटी के बेटे हैं।

ब्लैक बिकिनी में नजर आई किम कार्दशियन

हॉलीवुड स्टार किम कार्दशियन हमेशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी बोल्ड फोटोज शेयर करती रहती हैं और इनकी तस्वीरें इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल होती हैं। इसी बीच किम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से बाथ लेते हुए की कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब कहर बरपा रही हैं। किम की इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किम कार्दशियन ब्लैक बिकिनी पहने स्विमिंग करती नजर आ रही हैं। एक अन्य फोटो में बिकिनी पहन वह पानी में खूब गोते लगा रही हैं। नहाने के बाद पूल से बाहर निकल वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। अभिनेत्री का ये लुक देख उनके फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस की ये फोटोज इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं।

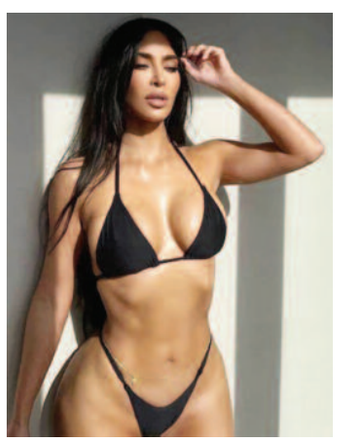

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011